

नोटों का जखीरा बरामद होने के मामले में जज यशवंत वर्मा की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। जली हुई नकदी बरामद होने के मामले में जांच प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करते हुए शीघ्र अदालत की पीठ जस्टिस दीपाकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीही ने कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का आचरण विश्वास पैदा नहीं करता, इसलिए उनकी याचिका पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। ▶ **10**पर

17,000 से ज्यादा कर्मचारियों को नोटिस 20 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान

तो किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ऐसे मामलों में हमेशा कानूनी निर्देशों का पालन करेगी।

रेड्डी ने कहा कि आरटीसी कर्मचारियों की एक दिवसीय हड़ताल से परिवहन निगमों को लगभग 20 करोड़ का अनुमानित नुकसान हुआ है। रेड्डी ने कहा स्पष्ट तरह का व्यवधान, भले ही सिर्फ एक दिन के लिए ही क्यों न हो, का वित्तीय प्रभाव काफी ज्यादा होता है। निगम सीमित मार्जिन पर काम करते हैं, और सेवाओं में किसी भी तरह की गिरावट न केवल दैनिक राजस्व को प्रभावित करती है, बल्कि इन सेवाओं पर निर्भर जनता को भी प्रभावित करती है। अधिकारी वर्तमान में आँकड़ों की जाँच कर रहे हैं और

वेतेन संबंधी मुद्दों के अलावा, कर्मचारियों ने विभिन्न भत्तों में वृद्धि, चिकित्सा लाभों में वृद्धि और अनुबंध-आधारित ड्राइवर्स और तकनीकी कर्मचारियों के नियमितिकरण की मांग की है। उन्होंने मांग की है कि इलेक्ट्रिक बसों का संचालन केवल स्थायी कर्मचारियों द्वारा ही किया जाए और ई-बस संचालन में अनुबंधित कर्मचारियों की भागीदारी का विरोध किया है। 4 अगस्त को हुई एक बैठक में, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने हड़ताल वापस लेने पर 14 महीने का बकाया जारी करने की पेशकश की थी। हालाँकि, संयुक्त कार्यकारिणी समिति ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और 38 महीने के बकाया के पूर्ण भुगतान की अपनी मांग पर अड़ी रही।

सीएम सिद्धरामैया ने ट्रंप द्वारा आर्थिक ब्लैकमेलिंग पर निशाना साधा

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सच्ची कूटनीति और राष्ट्रहित के अनुरूप कार्य न करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी इससे पहले जीएसटी, नोटबंदी, चीन के आक्रमण, मोदी और अडानी के रिश्ते, कोविड की विफलता, कृषि कानूनों, राफेल घोटाले, पीएम-केयरस फंड और चुनावी बॉन्ड को लेकर बयान दे चुके हैं। भाजपा ने उनका मजाक उड़ाया था। लेकिन सिद्धरामैया ने कहा कि राहुल गांधी ने अपने बयानों को बार-बार साबित किया है। 2019 में,

मोदी और ट्रम्प कार्यक्रम क्रमशः अमेरिका और भारत में आयोजित किए गए थे। लेकिन सिद्धरामैया ने कहा कि ट्रम्प इनमें से किसी भी कार्यक्रम से प्रभावित नहीं हुए और उन्होंने कूटनीति पर कोइ ध्यान नहीं दिया। भारत पर कर लगाना सच्चे दोस्त नहीं करते। ट्रम्प ने 33 बार दावा किया है कि आप्रवेशन सिद्ध के दौरान युद्धविराम के लिए वे जिम्मेदार हैं। उन्होंने अमेरिका में पाकिस्तानी सेना प्रमुख की मेजबानी की थी। विदेश नीति को व्यक्तिगत प्रचार से नहीं चलाया जा सकता। 1970 के दशक में भारत की अग्रिममंत्री रबी इंदिरा गांधी ने अमेरिकी दबाव के बावजूद कड़ा रुख अपनाया था। सिद्धरामैया ने

सुझाव दिया कि मोदी को उनसे बहुत कुछ सीखना है। भारत पर टैरिफ लगाने वाले ट्रंप अब उस पर रूस से संबंध तोड़ने का दावा बना रहे हैं। यह हमारे देश की सम्प्रभुता पर चेतावनी हमला है। सिद्धरामैया ने चेतावनी दी कि विदेशी ताकतों द्वारा घरेलू हितों के आधार पर व्यापार के विकल्प तय करना अस्वीकार्य है। इससे पहले सिद्धरामैया ने कहा कि अगर धर्मस्थल में प्रकराओं और यूट्यूबर्स पर हमला होता है, तो दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लालबाग में प्रकरारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जो भी गलत करेगा, उसके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। भारत राजनीतिक गठबंधन के नेताओं के लिए दिल्ली में एक भोज का आयोजन किया गया है। सिद्धरामैया ने कहा कि वह इसमें शामिल होने के लिए दिल्ली जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा की गई वोटों की हेराफेरी के खिलाफ शुक्रवार को बेंगलूरु में एक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

व्यक्ति ने दोस्त की पत्नी की हत्या कर खुदकुशी कर ली

बंगलूरु/शुभ लाभ व्यूरो। बंगलूरु के थिरुप्पल्या स्थित अपन घर में 28 वर्षीय एक महिला की उसके दोस्त ने कथित तौर पर हत्या कर दी, जिसने बाद में खुदकुशी कर ली। घटना तब प्रकाश में आई जब प्रेस में रहने वाले उसके माता-पिता ने शोरगुल सुना और उसके घर पहुँचे। उन्होंने उसे खूब से लथपथ पाया, और आरोपी भी मृत पाया गया। मृतका की पहचान मनिंद्रा मंडल और आरोपी सुमन मंडल के रूप में हुई है। मनिंद्रा की शादी आल साल पहले बिजोन के साथ से हुई थी। यह जोड़ा अपने बेटे के साथ नौकरी की तलाश में अपने गृहनगर पश्चिम बंगाल से बंगलूरु आया था। जांच में पता चला कि यह जोड़ा दो साल पहले अलग हो गया था। तब से, मंदिरा मजदूरी कर रही थी और अपने बेटे के साथ रह रही थी। सुमन और बिजोन दोस्त थे। वे नौकरी की तलाश में अंझड़ान गए थे। सुमन हाल ही में लौटी और 6 अगस्त को मनिंद्रा से मिलने गई, जब वह अकेली थी और उसका बेटा अपने माता-पिता के साथ था। पुलिस को संदेह है कि दोनों के बीच किसी बात पर झगडा हुआ, जिसके बाद मनिंद्रा की हत्या कर दी गई और उसके बाद सुमन ने भी आत्महत्या कर ली। पुलिस हत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

धर्मस्थल में पत्रकार पर हमला: यूट्यूबर समीर और चार अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज

इलाज के लिए भर्ती कराया गया था, वहाँ के डॉक्टरों से पूछताछ की गई और उन्होंने मौखिक रूप से कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य जाँच में कोई गंभीर चोट नहीं पाई गई।

बेल्टांगडी पुलिस स्टेशन ने पत्रकारों को बताया कि वे घटना से संबंधित वीडियो की जाँच करेंगे, मामला दर्ज करेंगे और आगे उचित कानूनी कार्रवाई करेंगे। धर्मस्थल के आसपास चल रहे भूत-प्रेत भगाने के कार्यक्रम का वीडियो बनाने आए यूट्यूबर्स पर हमले की जानकारी मिलने के बाद, हरीश नाम के एक निजी चैनल के रिपोर्टर उज्जरी के बेनोका अस्पताल पीडितों से बात करने गए और जब उन्होंने गिरिश

मत्तनवर से कुछ बताने के लिए कहा, तो उन्होंने उन्हें डांट दिया। तभी महेश शेड्डी टिमरोडी और उसके गिरोह के सदस्यों ने उस पर हमला कर दिया। उस समय उन्होंने उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। उसी समय, मौके पर आए यूट्यूबर समीर ने उसे धमकाया। मामले की जानकारी मिलने पर अस्पताल पहुँची पुलिस ने उसकी सुरक्षा की और उसे अंदर बैठा दिया। उसी समय, मौके पर आए जयंत ने उसका वीडियो बनाया और उस पर हमला कर दिया। हरीश ने अपनी शिकायत में कहा कि मैं अनुरोध करता हूँ कि मुझ पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

विधान परिषद सदस्य केएस नवीन ने कहा कि निर्माण श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच के नाम पर पिछले दो वर्षों से करोड़ों रुपये की हेराफेरी में शामिल मंत्री संतोष लाड को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि श्रम विभाग मंत्री संतोष लाड ने अपने पद से इस्तीफा नहीं देना चाहते। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग में भ्रष्टाचार और करोड़ों रुपये की लूट के सबूत पेश नहीं किए।

बाद में उन्होंने निर्माण श्रमिक कल्याण कोष से श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच के लिए प्र इटो निरीक्षण दस्तावेज दिए। उन्होंने सरकार पर बिना किसी जांच के पूरे राज्य से 300 करोड़ रुपये से अधिक की लूट का आरोप लगाया। प्रसिद्ध फिल्म 'कर्मिका कल्लानल्ला' 1982 में रिलीज हुई थी। इसमें शरीर अभिनेता विष्णुवर्धन और शंकर नाग ने अभिनय किया था। फिल्म का संदेश यह था कि एक मेहनती श्रमिक चोर नहीं होता। लेकिन, हम कांग्रेस सरकार पर चोर होने

का आरोप क्यों लगा रहे हैं? क्या श्रम मंत्री चोर हैं? निर्माण श्रमिक निगम के लिए उपकर के माध्यम से हजारों करोड़ रुपये एकत्रित किए जाते हैं और निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए उपयोग किए जाते हैं। इस योजना के तहत निर्माण श्रमिकों की स्वास्थ्य जाँच की जाती है। इनमें से, बोर्ड ने श्रमिकों की 320 स्वास्थ्य जाँचें करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि चित्रदुर्ग जिले में निर्माण श्रमिकों की स्वास्थ्य जाँच के बारे में दी गई जानकारी के अनुसार, 2 वर्षों की अवधि में 67,000 श्रमिकों पर कुल 19 करोड़ 74 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। के.एस. नवीन ने आरोप लगाया कि जिस तरह होटलों में इडली, सांभर और चटनी के लिए अलग-अलग दरें तय की जाती हैं, उसी तरह श्रमिकों की स्वास्थ्य जाँच भी तय की गई है और पैसे निकालकर गबन कर लिए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए निर्धारित स्वास्थ्य जाँच शुल्क से डेढ़ गुना ज्यादा राशि तय की है और जाँच शुल्क का भुगतान किया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रस्तुत रिपोर्ट में बताया गया है कि डॉक्टर ने रक्त परीक्षण से पहले पूरी जाँच कर ली है। उन्होंने आरोप लगाया कि जाँच रिपोर्ट रक्त प्रयोगशाला में उपलब्ध रक्त या पशु रक्त का उपयोग करके तैयार की गई है। विभाग द्वारा प्रदान की गई जानकारी में एक बात ध्यान देने योग्य है कि चित्रदुर्ग जिले के श्रमिक संघटनाओं में से, भवन निर्माण श्रमिक बोर्ड के साथ आधिकारिक रूप से पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की संख्या केवल 6 हजार है। लेकिन सरकार के खतों में 33,500 निर्माण श्रमिकों का विवरण है। बोर्ड ने 15-दिवसीय शिविर आयोजित किया और बताया कि उन्होंने 33,500 लोगों की जाँच की और प्रत्येक श्रमिक के लिए 2,940 रुपये का शुल्क लिया। जाँच करने वाले अस्पताल की कोई मुहर और हस्ताक्षर नहीं है।

बोर्ड द्वारा निर्धारित 20 परीक्षणों में से लगभग 16 परीक्षण रक्त से संबंधित हैं। लेकिन उन्होंने शिकायत की कि उन्होंने प्रत्येक परीक्षण के लिए अलग-अलग परीक्षण दरें दिखाकर एक बार किए गए रक्त परीक्षण को गलत तरीके से संभाला था। वास्तव में, रक्त परीक्षण की रिपोर्ट श्रमिकों को नहीं दी गई थी। लेकिन उन्होंने शिकायत की कि उन्होंने चित्रदुर्गा जिले के लिए 19 करोड़ 74 लाख रुपये निकालकर अस्पतालों को दे दिए। मजदूरों और उनके बच्चों को भी इसका लाभ मिलना चाहिए। जब मंत्री संतोष लोना पिछली बार गिंग वर्कर्स योजना के उद्घाटन के लिए चित्रदुर्गा गए थे, तो मजदूरों ने मंत्री को रोक लिया था और उनसे श्रम विभाग में अनियमितताओं के बारे में सवाल किया था। उन्होंने उस सवाल का जवाब नहीं दिया। हम राज्य की जनता को कांग्रेस सरकार के लगातार भ्रष्टाचार के बारे में पहले से ही बता रहे हैं। हम सदन के अंदर और बाहर, दोनों जगह सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं।

शिवकुमार द्वारा चलाए गए दोपहिया
वाहन पर लगा जुर्माना किया गया अदा

आर.टी. नगर यातायात पुलिस स्टेशन की पुलिस ने बताया कि जैसे ही मामले का खुलासा हुआ, दोपहिया वाहन का मालिक थाने आया और पूरा जर्माना अदा

किया। बैंगलूरु यातायात पुलिस की वेबसाइट पर चलाए जा रहे वाहन पर यातायात उल्लंघन के 34 मामले लंबित थे। इन उल्लंघनों में बिना हेल्मेट के वाहन चलाना, वाहन चलते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना और निषिद्ध या एकतरफा क्षेत्र में प्रवेश करना शामिल था। शिवकुमार ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर हेल्मेट पहनकर दोपहिया वाहन चलाते हुए अपना एक वीडियो वाहन साइट किया था, जिसमें 15 अगस्त को हेब्बल फ्लाईओवर लूप के उद्घाटन की घोषणा गई थी।

शामिल था। शिवकुमार ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर हेलमेट पहनकर दोपहिया वाहन चलाते हुए अपना एक वीडियो साझा किया था, जिसमें 15 अगस्त को हेब्बल फ्लाईओवर लूप के उद्घाटन की घोषणा की गई थी।

जिलों में गरज के साथ बारिश के बाद कई एकड़ में लगी मक्का और प्याज की फसलें बह गईं। कोप्पल जिले के कुछ हेक्टेयरों में भी पिछले दो दिनों में अच्छी बारिश हुई है। रायचूर जिले के हट्टी गोल्डमिंस स्थित दारूवाला स्टेडियम में बुधवार को भारी बारिश के कारण मुख्यमंत्री का कार्यक्रम रद्द कर दिया गया।

केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ाखियों ने फिर खोला मोर्चा पूर्ण राज्य के साथ अन्य मांगों पर होगी भूख हड़ताल

जम्मू, 07 अगस्त (व्यूरो)

लद्दाख में अपनी राजनीतिक और संबैधानिक मांगों को लेकर करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। करगिल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केडीए नेताओं ने 9 से 11 अगस्त तक तीन दिवसीय भूख हड़ताल का ऐलान किया है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार लद्दाख के लोगों की उम्मीदों पर लगातार खरा नहीं उतर रही है।

केडीए ने अपनी चार अहम मांगों को दोहराया, लद्दाख को राज्य का दर्जा दिया जाए, इसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए, एक अलग संसदीय सीट बहाल की जाए और सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता लाने के लिए एक क्षेत्रीय लोक सेवा आयोग बनाया जाए। इन मांगों को लेकर केडीए लंबे समय से आवाज उठा रहा है, लेकिन अब तक केंद्र की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में केडीए नेताओं ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि कई बार गृह मंत्रालय और



लद्दाख के नेताओं के बीच बैठकें हुईं, लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर केंद्र सरकार ने अब भी इन मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो हालात बिगड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर जनता की भावनाएं भड़क गईं, तो इसके लिए हम जिम्मेदार नहीं होंगे। केडीए का कहना है कि यह भूख हड़ताल केवल एक विरोध नहीं, बल्कि लद्दाख के लोगों की आवाज को पूरे देश तक पहुंचाने की कोशिश है। नेताओं ने कहा कि लद्दाख

की जनता लोकतंत्र में विश्वास रखती है, लेकिन अगर उनके साथ बार-बार अनद-खी होगी, तो असंतोष बढ़ेगा।

केडीए ने केंद्र सरकार से अपील की है कि बहुत देर होने से पहले वह लद्दाख के मुद्दों को गंभीरता से ले और जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए। उन्होंने बताया कि करगिल टाउन में शनिवार को हड़ताल शुरू होगी और लेह एपेक्स बाडी (एलएबी) के नेताओं से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे विरोध में शामिल हों और केंद्र

सरकार को एक संदेश भेज सकें कि लद्दाख के लोग अपनी वास्तविक मांगों पर चुप नहीं रहेंगे, केडीए के सह-अध्यक्ष असगर अली करबालई ने यहां संवाददाताओं को बताया। केडीए, एलएबी के साथ, अपने चार-बिंदु एजेंडे-राज्य, एक समर्पित लोक सेवा आयोग (पीएससी) और दो संसदीय सीटों के लिए छठा अनुसूची स्थिति और दो संसदीय सीटों पर केंद्र के साथ बातचीत कर रहा है। दो संगठन अपनी मांगों के समर्थन में पिछले कई वर्षों में संयुक्त रूप से एक आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं।

गृह मंत्रालय के साथ केडीए और लेह एपेक्स निकाय की अंतिम बैठक लगभग दो महीने पहले हुई थी। और उस आखिरी बैठक में, अधिवास, आरक्षण और भर्ती के मुद्दों को हल किया गया था और हमें बताया गया था कि अगली बैठक एक महीने के भीतर आयोजित की जाएगी, जो कि हमारे मुख्य एजेंडा (राज्य और छठी अनुसूची) पर चर्चा कर रही है, लेकिन वे (केंद्र) की देरी कर रहे हैं।

संविधान में स्पष्ट नहीं, इसलिए मनोज सिन्हा बने रहेंगे उपराज्यपाल

सुरेश एस डुगर
जम्मू, 07 अगस्त।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के कार्यकाल को लेकर चल रही अटकलों के बीच गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि भारत के संविधान में जम्मू कश्मीर सहित केंद्र शासित प्रदेशों के उप-राज्यपालों के लिए कोई निश्चित कार्यकाल निर्धारित नहीं है। अर्थात् संविधान में कोई स्पष्टता न होने का सीधा लाभ मनोज सिन्हा को मिल रहा है जो अभी भी इस पद को नहीं छोड़ेंगे। मनोज सिन्हा ने बुधवार 6 अगस्त को अपने कार्यकाल के पांच वर्ष पूरे कर ली थी कि पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद उन्हें पदमुक्त किया जा सकता है।

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, संविधान का अनुच्छेद 156 राज्यों के राज्यपालों के लिए पांच वर्ष का कार्यकाल निर्धारित करता है, साथ ही यह भी उल्लेख करता है कि वे राष्ट्रपति की इच्छा पर्यंत पद धारण करते हैं। वहीं केंद्र शासित प्रदेशों को



नियंत्रित करने वाला अनुच्छेद 239, उप-राज्यपालों के कार्यकाल के बारे में कुछ नहीं कहता है, जिससे उन्हें बिना किसी समय-सीमा के राष्ट्रपति के विवेक पर पद पर बने रहने की अनुमति मिलती है।

जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 भी उपराज्यपाल के लिए कोई कार्यकाल निर्धारित नहीं करता है। इसमें कहा गया है कि पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य के राज्यपाल, राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित अवधि तक जम्मू कश्मीर और लद्दाख दोनों के उपराज्यपाल के रूप में कार्य करेंगे। 6 अगस्त, 2020 को मनोज सिन्हा की नियुक्ति की घोषणा करने वाली आधिकारिक विज्ञप्ति में भी उनके कार्यकाल के बारे में कुछ नहीं कहा गया था।

पुनर्गठन अधिनियम की धारा

53 के तहत, जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल के पास पर्याप्त अधिकार हैं, जिसमें विधानसभा के विधायी क्षेत्राधिकार से परे मामलों पर स्वतंत्र कार्यवाही भी शामिल है। इन शक्तियों ने अखिल भारतीय सेवाओं और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की निगरानी शामिल है और उपराज्यपाल के कई फैसले कानूनी रूप से आसान न्यायिक समीक्षा से सुरक्षित हैं। 7 अगस्त 2020 को पदभार ग्रहण करने वाले मनोज सिन्हा, जम्मू-कश्मीर में उप राज्यपाल पद पर नियुक्त होने वाले पहले राजनीतिक व्यक्ति हैं। मनोज सिन्हा तीन बार सांसद रहे। वे मोदी सरकार में पहले रेल राज्य मंत्री और बाद में संचार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भी रहे।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को लेकर विगत एक माह से लगातार स्थानीय ही नहीं बल्कि नई दिल्ली के सत्ता के गलियारों में भी चर्चा चल रही थी कि उन्हें केंद्र सरकार में कोई बड़ी भूमिका दी जा सकती है या फिर उन्हें भाजपा में कोई बड़ा संगठनात्मक पद मिल सकता है।

जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण में भास्कर रेड्डी वेमिरेड्डी न्यायिक सदस्य नियुक्त

हैदराबाद, 7 अगस्त
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत सरकार ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता भास्कर रेड्डी वेमिरेड्डी को वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण का न्यायिक सदस्य नियुक्त किया है।

यह नियुक्ति सरकार की जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण को पूरी तरह से चालू करने की व्यापक पहल का हिस्सा है। इस प्रक्रिया में कुल 53 न्यायिक सदस्यों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई है, जो जीएसटी व्यवस्था के तहत विवाद समाधान प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वेमिरेड्डी भास्कर रेड्डी तेलंगाना



कानूनों के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने 1993 में उच्च न्यायालय में करों के लिए विशेष सहायक सरकारी वकील के रूप में कार्य किया और जून 1994 तक इस पद पर रहे। उन्हें 2022 में तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया था और वे दोनों तेलुगु राज्यों में एक सफल वकील के रूप में जाने जाते हैं।

एक मजबूत और कुशल जीएसटी अपीलीय प्रणाली की स्थापना से मुकदमेबाजी में लगने वाले समय को कम करने और अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में विश्वास बढ़ाने की उम्मीद है।

उच्च न्यायालय में एक वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। उन्होंने 1987 में अधिवक्ता के रूप में पंजीकरण कराया था और तब से वे हैदराबाद में उच्च न्यायालय में अभ्यास कर रहे हैं। वे कर

जनसंपर्क : सत्य को उजागर करने का सबसे प्रभावी माध्यम

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)

पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) के हैदराबाद चैप्टर और डॉ. सीवीएन फाउंडेशन ने 6 अगस्त 2025 को केएलएन प्रसाद ऑडिटोरियम (एफटीसीसीआई), रेड हिल्स, हैदराबाद में राष्ट्रीय जनसंपर्क शिक्षा दिवस धूमधाम से मनाया। यह आयोजन दिवंगत जनसंपर्क विशेषज्ञ डॉ. सी.वी. नरसिम्हा रेड्डी की 93वीं जयंती के अवसर पर किया गया।

इस समारोह के मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता, डॉ. बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. गंटा चक्रपाणि थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जनसंपर्क एक सशक्त माध्यम है जो गलत जानकारी से पैदा हुई भ्रांतियों को दूर कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जनसंपर्क शिक्षा में अब एक अंतर्विषयक (इंटर-डिसिप्लिनरी) दृष्टिकोण की आवश्यकता है और सभी संगठनों को



बेहतर संचालन के लिए जनसंपर्क को अपनाना चाहिए।

इस अवसर पर, प्रो. चक्रपाणि ने सिंगरेनी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री एस.डी.एम. सुब्बानी को डॉ. सीवीएन-पीआरएसआई सर्वश्रेष्ठ पीआर मैनेजर राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया। लि. के निदेशक श्री रामकुमार सिंगारम को

जूरी प्रशंसा प्रमाणपत्र भी प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम में स्कूलों में पीआर नामक एक नई पहल की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य स्कूल स्तर से ही जनसंपर्क की सकारात्मक भूमिका को बढ़ावा देना है। इस आयोजन में सर्वश्रेष्ठ पीआर शिक्षक, काउंसलर और छात्रों को भी पुरस्कार दिए गए। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ

टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट (एनआईटीएचएम) के निदेशक प्रो. वेंकट रामना ने डॉ. रेड्डी के योगदान को याद किया और कहा कि एक मुकुराता हुआ चेहरा ही एक सच्चे पीआर पेशेवर की पहचान होती है।

इस भव्य आयोजन में पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (दक्षिण क्षेत्र) श्री यू.एस. शर्मा, पीआर वॉइस के संपादक श्री वार्ड. बाबजी, सीवीएन फाउंडेशन से श्री सी. रविंदर रेड्डी और श्रीमती सी. रमा देवी, पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. यादगिरी कम्भमट्टी और सचिव सुश्री अम्पणा सहित लगभग 200 जनसंपर्क और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन पेशेवरों ने भाग लिया। सभी वक्ताओं ने डॉ. रेड्डी के अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए समाज में सकारात्मक संवाद और प्रभावी जनसंपर्क की आवश्यकता पर जोर दिया।

आंध्र प्रदेश के मंत्री अच्चन्नायुडू ने हिंदी सेवासदन की विवरणिका का लोकार्पण किया

विजयवाड़ा, 07 अगस्त
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश के कृषि, विपणन, पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन मंत्री के. अच्चन्नायुडू ने हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में 'हिंदी सेवासदन प्रतियोगिता परीक्षा' की विवरणिका (ली-लहरीश) का लोकार्पण किया। यह विवरणिका कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए आयोजित की जाने वाली हिंदी प्रतियोगिता परीक्षाओं से संबंधित है।

हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधानमंत्री एस. गैबुवली के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री अच्चन्नायुडू से मुलाकात कर उन्हें इस पहल से अवगत कराया। इस अवसर पर मंत्री ने



हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद की 90 साल की सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभा ने लाखों छात्रों को हिंदी सिखाई है और हजारों को हिंदी शिक्षक और प्राध्यापक बनने में मदद की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे हिंदी भाषा को

प्राथमिक स्तर से पाठ्यक्रम में शामिल करने और इन प्रतियोगिता परीक्षाओं के बारे में मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू और शिक्षा मंत्री नारा लोकेश को सूचित करेंगे।

इस अवसर पर एस. गैबुवली ने कहा कि प्राथमिक स्तर से

हिंदी सीखने से छात्र इस भाषा पर अच्छी पकड़ बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि हिंदी सीखने से भविष्य में देश भर में कहीं भी रोजगार के अवसर मिल सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि कुछ विदेशी सरकारों भी हिंदी को वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़ने का अवसर दे रही हैं, जिससे विदेशों में भी रोजगार पाने में मदद मिल सकती है।

हिंदी सेवासदन के तहत, आंध्र प्रदेश के सरकारी और मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए उन्हीं की हिंदी पाठ्यपुस्तकों पर आधारित प्रतियोगिता परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। विजेताओं को राज्य, जिला और विद्यालय स्तर पर

नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह और प्रशंसा पत्र दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक छात्र को प्रशंसा पत्र मिलेगा।

गैबुवली ने कहा कि इन परीक्षाओं से छात्रों को हिंदी भाषा का ज्ञान बढ़ाने, समय प्रबंधन सीखने और बिना दबाव के परीक्षा देने की आदत डालने में मदद मिलेगी। विशेष रूप से कक्षा 10 के छात्रों के लिए यह परीक्षाएं अधिक उपयोगी होंगी, क्योंकि ये बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर अंक लाने का एक मार्ग बन सकती हैं।

इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश हिंदी प्रचार सभा के अध्यक्ष सी. एल. नायडू और प्रचार संचालक कोने श्रीधर भी उपस्थित थे।

मतदाता सूची से नाम हटाने में कोई साजिश नहीं चुनाव आयोग ने प्रशांत किशोर के आरोपों को किया खारिज

पटना, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग ने जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के उस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (डखठ) के दौरान भाजपा एनडीए की मिलीभगत से गरीबों के नाम हटाए जा रहे हैं। बता दें कि प्रशांत किशोर इस समय बिहार के कई जिलों के दौरे पर हैं और अपनी नई पार्टी के लिए जनसमर्थन जुटा रहे हैं। उन्होंने बुधवार को बेगूसराय में यह आरोप लगाया था। हाल ही में जारी किए गए मसौदा मतदाता सूची से 65 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं, जिस पर विवाद खड़ा हुआ है। इस पर चुनाव आयोग ने सफाई दी है कि हटाए गए नामों में 22.34 लाख लोग मृत पाए गए, 36.28 लाख लोग किसी और जगह चले गए और 7.01 लाख लोग दो जगहों पर दर्ज थे। बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के दप्तर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रशांत किशोर के बयान का वीडियो साझा किया

और साथ में यह संदेश दिया कि आइए, मिलकर मतदाता सूची की पवित्रता को बनाए रखें और ऐसे पूर्वग्रह या बिना तथ्यों के लगाए गए आरोपों से बचें, जो लोकतंत्र में जनता का विश्वास कमजोर कर सकते हैं। चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों और आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी पात्र मतदाता का नाम सूची से गायब है या किसी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में गलत तरीके से शामिल है, तो 1 सितंबर तक दावा या आपत्ति दर्ज करें। बेगू-सराय में जनसभा के दौरान प्रशांत किशोर ने कहा था कि चुनाव आयोग भाजपा नीत एनडीए के साथ मिला हुआ है। गरीब मजदूर, जो बाहर काम करने जाते हैं, वे सरकार के खिलाफ वोट करेंगे, इसलिए उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि सुप्रिम कोर्ट ने यह साफ किया है कि जिनके पास आधार कार्ड है, उनका नाम वोटर लिस्ट में बना रहना चाहिए। प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि चुनाव आयोग यह तय करने वाला नहीं है कि कौन नागरिक है और कौन नहीं।

पीएम मोदी, जीपी नड्डा तय करेंगे उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार : रिजिजू

नई दिल्ली, 07 अगस्त
(एजेंसियां)।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्यसभा में सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा को सत्तारूढ़ गठबंधन का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने का अधिकार दिया।

श्री रिजिजू ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि



राजग के सदन के नेताओं ने श्री मोदी और श्री नड्डा को सत्तारूढ़ गठबंधन का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने का अधिकार दिया है। संसदीय कार्य मंत्री ने

कहा कि यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया है। संसद परिसर में भाजपा और उनके सहयोगियों के प्रमुख नेताओं की एक बैठक हुई, जिसमें यह फैसला लिया गया।

संसद परिसर में राजग की आज यहां हुई बैठक में श्री नड्डा के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह, जदयू के राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे, तेदेपा के लवू श्रीकृष्ण देवरायलु और लोजपा (रामविलास) के चिराग पासवान शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि नौ सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होगा और मतगणना भी इसी दिन की जायेगी।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए कार्यक्रम अधिसूचित

नई दिल्ली, 07 अगस्त (एजेंसियां) चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना गुरुवार को जारी की। आयोग चुनाव कार्यक्रम पहले ही घोषित कर चुका है। इसके तहत नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त निर्धारित की गयी है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी और नाम 25 अगस्त तक वापस लिए जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मतदान नौ सितंबर को दिन में 10 से पांच बजे तक कराया जाएगा और उसी दिन मतों की गिनती की जाएगी। इस चुनाव के लिए राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को चुनाव अधिकारी बनाया गया है। राज्यसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव गरिमा जैन और निदेशक विजय कुमार सहायक रिटर्निंग अधिकारी बनाये गये हैं। आयोग ने कहा है कि इस चुनाव प्रक्रिया के संबंध में किसी भी तरह की पुछताछ राज्यसभा महासचिव के कार्यालय (कमरा नं. राज्यसभा 08, ग्रांड उफ्लोर, संसद भवन) में 3.30 से 4.30 के बीच सोमवार से शनिवार को की जा सकती है (सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर)। नामांकन भरने के लिए प्रत्याशी को 15,000 रुपये का शुल्क जमा करना होगा। शुल्क नामांकन पत्र के साथ रिटर्निंग ऑफिसर को दिया जा सकता है या उससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक या सरकारी ट्रेजरी में जमा कराकर उसकी रसीद प्राप्त की जा सकती है। नामांकन पत्र कार्यदिवस में दिन में 11 बजे से तीन बजे तक संसद भवन के कमरा नं. आरएस-28 में जमा किया जा सकता है।

योगी कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई बड़े निर्णय

अब यूपी के छात्र यूके में ले सकेंगे मास्टर डिग्री

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी-चिवनिंग छात्रवृत्ति योजना मंजू

हर वर्ष 5 मेधावी छात्रों को मिलेगा यूके में मास्टर करने का मौका

सरकार देगी प्रति छात्र 23 लाख, शेष खर्च यूके एफसीडीओ उठाएगा

लखनऊ, 07 अगस्त (व्यूरो)।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने उच्च शिक्षा को नई दिशा देने वाला एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी-चिवनिंग उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना को मंजूरी दे दी गई है। यह योजना प्रदेश के मेधावी छात्रों को यूनाइटेड किंगडम (यूके) में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी।

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कैबिनेट के निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार की इस पहल के तहत, हर साल उत्तर प्रदेश के 5 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को यूके के किसी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से एक वर्ष की मास्टर डिग्री के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। इस योजना को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की



असाधारण उपलब्धियों से प्रेरणा लेते हुए प्रारंभ किया जा रहा है। यह छात्रवृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार तथा यूनाइटेड किंगडम के फॉरेन कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एफसीडीओ) के संयुक्त सहयोग से चलाई जाएगी।

छात्रवृत्ति में छात्रों को शैक्षणिक शिक्षण शुल्क, परीक्षा एवं शोध शुल्क, रहने के लिए पर्याप्त मासिक भत्ता तथा इकोनॉमी क्लास में एक बार आने-जाने का विमान किराया भी शामिल रहेगा। चयन प्रक्रिया राज्य सरकार और एफसीडीओ के बीच हुए समझौते (एमओयू) के अनुसार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होगी। योजना शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से लागू होगी और यह तीन वर्षों (2025-26, 2026-27, 2027-28) तक प्रभावी रहेगी। आगे इसके नवीनीकरण पर निर्णय लिया जाएगा। 2028-29 में योजना को जारी रखने के लिए 30 मार्च 2028 तक पुनः अनुमोदन की आवश्यकता होगी।

राज्य सरकार इस योजना के तहत प्रत्येक छात्र के लिए लगभग :19,800 (लगभग 23 लाख) का खर्च वहन करेगी। कुल अनुमानित खर्च 38,048 पाउंड से 42,076 पाउंड के बीच होगा, जिसमें शेष धनराशि का प्रबंध एफसीडीओ यूके द्वारा किया जाएगा। योगेंद्र उपाध्याय के अनुसार, यह योजना उत्तर प्रदेश के छात्रों के लिए वैश्विक शिक्षा के द्वार खोलेगी और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर देगी। यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की युवा सशक्तिकरण एवं शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है।

योगी कैबिनेट ने प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण नीतियों को मंजूरी दी है। एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री राकेश सचान ने निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों नीतियों से न केवल औद्योगिक आधारभूत ढांचे को

मजबूती मिलेगी, बल्कि लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे।

कैबिनेट ने ग्रामीण आबादी के दस्तावेजों को अपडेट करने की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए उत्तर प्रदेश ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक-2025 को मंजूरी दी है। यह विधेयक स्वामित्व योजना के तहत तैयार की गई घरानियों (मालिकाना दस्तावेज) में नामांतरण, संशोधन और अपडेट की प्रक्रिया को आसान बनाएगा।

योगी कैबिनेट ने दो नए निजी विश्वविद्यालयों केडी विश्वविद्यालय (मथुरा) और बोधिसत्व विश्वविद्यालय (बाराबंकी) की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इन विश्वविद्यालयों की स्थापना उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 के तहत की जा रही है। योगी कैबिनेट ने नगर निगम क्षेत्र में आकाश चिन्हों और विज्ञापनों की अनुज्ञा एवं नवीनीकरण अवधि को लेकर

बड़ा फैसला लिया है। अब तक दो साल के लिए दी जाने वाली अनुमति को बढ़ाकर 15 वर्ष कर दिया गया है। इसके लिए उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 की धारा-305(1) में संशोधन के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है।

इस फैसले के बाद राज्य की सभी नगर निगमों में उत्तर प्रदेश नगर निगम (चिन्हों एवं विज्ञापनों का विनियमन) नियमावली, 2025 लागू की जाएगी।

योगी कैबिनेट ने किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू), उत्तर प्रदेश अधिनियम-2002 में संशोधन की मंजूरी दे दी है। संशोधन के तहत विश्वविद्यालय की कार्य परिषद में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रोफेसर्स को प्रतिनिधित्व देने के लिए धारा-24(1)(ए) जोड़ी जाएगी। इसका उद्देश्य आरक्षित वर्गों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा और अनुश्रवण सुनिश्चित करना है। संशोधन के अनुसार, राज्य सरकार वरिष्ठतम प्रोफेसर्स में से एक-एक सदस्य को नामित करेगी, जो एससी/एसटी और ओबीसी वर्ग से होंगे। यह नामांकन रोशेन आधार पर कुलपति से परामर्श कर किया जाएगा। यह संशोधन विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की 28 जनवरी 2022 की बैठक में पारित प्रस्ताव के आधार पर किया जा रहा है और इसे राज्य विधानमंडल के आगामी सत्र में दोबारा प्रस्तुत किया जाएगा।

पत्रकार हत्याकांड के दो शूटर मुठभेड़ में मारे गए

सीतापुर, 07 अगस्त (व्यूरो)। यूपी के सीतापुर में पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड में वांछित दोनों शूटर अकील खान उर्फ संजय तिवारी और रिजवान उर्फ राजू तिवारी पिसावा में पुलिस से हुई मुठभेड़ में मारे गए। दोनों पर हत्या का प्रयास करने और हत्या करने समेत कई गंभीर मामले दर्ज थे। मारे गए शूटरों पर एक-एक लाख रुपए का इनाम था। एसपी अंकुर अग्रवाल ने बताया कि पिसावां महोली मार्ग पर पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम कॉम्बिंग कर रही थी। इसी दौरान शूटर संजय तिवारी और राजू तिवारी बाइक से जा रहे थे। पुलिस ने बाइक सवारों को रुकने का इशारा किया तो दोनों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। दोनों शूटरों को मुठभेड़ में गोली लगी, उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

एसपी अंकुर अग्रवाल ने बताया कि दोनों वांछित अपराधी मिश्रिख के अटवा गांव के रहने वाले थे। इन पर हत्या का प्रयास, हत्या, लूट डकैती और अन्य कई गंभीर मामले दर्ज थे। इसी वर्ष आठ मार्च को राघवेंद्र की हेमपुर ओवरब्रिज पर करीब दोपहर तीन बजे दोनों शूटरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने 34 दिनों के बाद हत्याकांड का खुलासा कर एक पुजारी और दो अन्य को जेल भेजा था। इस मामले में दोनों शूटर फरार चल रहे थे। इनकी तलाश में टीमों लगी हुई थीं। आठ मार्च को हुए पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड का 34 दिन बाद पुलिस ने खुलासा किया था। हत्याकांड में पांच लोग शामिल थे जिनमें से तीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। साजिश में शामिल करदेव बाबा मंदिर के पुजारी को उनके दो परिचितों संग गिरफ्तार किया गया था। वहीं, गोली मारने वाले दो शूटरों को वांछित घोषित किया गया था। उन्हें पकड़ने के लिए क्राइम ब्रांच की तीन टीमों के अलावा एसटीएफ की सात टीमों लगी थीं। शूटरों की पुलिस से मुठभेड़ की जानकारी ने राघवेंद्र बाजपेयी की पत्नी रश्मि बाजपेयी को दी। रश्मि बाजपेयी ने कहा कि पति के अंतिम संस्कार से पहले हमने कहा था कि घटना का खुलासा हमारी जानकारी में होना चाहिए। अगर शूटर पकड़े जाएं तो हमें दिखाया जाए। न तो खुलासा हमें बताकर हुआ और न एनकाउंटर से पहले दोनों के बारे में जानकारी दी गई। हम इस कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर विशिष्ट अतिथि होंगे यूपी के 33 ग्राम प्रधान

लखनऊ, 07 अगस्त (व्यूरो)।

15 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में उत्तर प्रदेश के 33 ग्राम प्रधानों को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह गौरवपूर्ण अवसर उत्तर प्रदेश के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि ये ग्राम प्रधान लाल किले पर ध्वजारोहण कार्यक्रम में देश के अन्य प्रेरणादायी व्यक्तित्वों के साथ शामिल होंगे।

ये 33 ग्राम प्रधान उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से चुने गए हैं, जिन्होंने अपने पंचायत क्षेत्रों में योगी सरकार द्वारा संचालित योजनाओं जैसे, ग्रामीण विकास, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल पंचायत सचिवालय, और सामुदायिक भागीदारी जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किया है। इनकी कार्यशैली ने न केवल उनके गांवों में सकारात्मक बदलाव लाया, बल्कि ग्रामीण शासन की नई छवि को भी राष्ट्रीय मंच पर स्थापित किया है। कई प्रधानों को पहले ही राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कारों और सरकारी मान्यता से सम्मानित किया जा चुका है। प्रदेश के इन ग्राम प्रधानों की उपलब्धियां आने वाले दिनों में अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी। उनके अनुभव ग्रामीण



भारत के विकास में नए रास्ते खोलेंगे और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देंगे। लाल किले पर इन ग्राम प्रधानों की उपस्थिति न केवल उनके व्यक्तिगत योगदान को रेखांकित करेगी, बल्कि पूरे ग्रामीण भारत के प्रति देश का विश्वास भी सुदृढ़ करेगी। पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। हमारे गांवों के प्रतिनिधि राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किए जा रहे हैं, तो यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सशक्त ग्राम, सशक्त राष्ट्र के संकल्प की सार्थकता को दर्शाता है। ये 33 प्रधान न केवल अपने क्षेत्रों के लिए, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश की उभरती पंचायत शक्ति का प्रतीक हैं

सीएम योगी ने दिया सस्ते आवास का तोहफा

आगरा, 07 अगस्त (व्यूरो)।

आगरा की नई टाउनशिप में सस्ते आवासीय भूखंड के लिए पंजीकरण 8 अमास से शुरू हो जाएंगे। पंजीकरण के लिए 1100 रुपए ब्रोशर शुल्क देना होगा। आगरा के ग्वालियर हाईवे स्थित ककुआ और भांडई में विकसित होने जा रही अटलपुरम टाउनशिप के पहले चरण में सेक्टर-1 में 322 भूखंडों की खरीद के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुक्रवार से शुरू होगा। बुधवार को एडीए में तैयारियां पूर्ण हो गईं।

भूखंड खरीद के लिए आ-वेदन सिर्फ ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। एडीए की वेबसाइट और जनहित पोर्टल पर पंजीकरण होगा। पंजीकरण के लिए 1100 रुपए ब्रोशर शुल्क और भूखंड मूल्य का सामान्य श्रेणी में 10 प्रतिशत,



आरक्षित श्रेणी में 5 प्रतिशत धनराशि जमा करानी होगी। एडीए उपाध्यक्ष एम अरुण मौली ने बताया कि आवेदन प्रप्त होने के बाद लॉटरी ड्रॉ खुलेगा। लॉटरी ड्रॉ के माध्यम से ही भूखंड आवंटन होगा। सेक्टर-1 के बाद सेक्टर-2 और 3 के पंजीकरण खोले जाएंगे। फिलहाल सिर्फ आवासीय भूखंडों की बिक्री होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

ईडब्ल्यूएस, एलआईजी, एमआईजी भूखंडों की बिक्री होगी।

एडीए उपाध्यक्ष एम अरुण मौली ने बताया कि भूखंडों की बिक्री के लिए 6 सदस्यीय टीम बनाई है। एक हेल्प डेस्क खोली जाएगी। एक व्यक्ति संपत्ति विभाग, एक साइट पर, एक बैंक क्लर्क और एक हेल्प डेस्क पर तैनात रहेगा। किसी भी कार्य दिवस में खरीद के इच्छुक व्यक्ति साइट का निरीक्षण कर सकते हैं। भूखंडों की बिक्री जहां है जैसा है के आधार पर होगी। अटलपुरम टाउनशिप ग्वालियर हाईवे स्थित ककुआ और भांडई गांव में बन रही है। इसकी ताजमहल से 12 किमी और हवाई अड्डे से 15 किमी दूरी है। ईदगाह बस स्टैंड और कैट रेलवे स्टेशन से 12 किमी दूरी पर स्थित

अटलपुरम के पास भांडई रेलवे जंक्शन होगा। इसे एनएच-44 के अलावा इनर रिंग रोड के रास्ते लखनऊ और नोएडा एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाएगा। भूखंडों के आवंटन में भी आरक्षण है। इसमें अनुसूचित जाति के लिए 21 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिए 2 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत, सांसद, विधायक और स्वतंत्रता सेनानी के लिए 5 प्रतिशत, 50 वर्ष से अधिक आयु के सरकारी एवं सुरक्षा सेवा कर्मचारी के लिए 5 प्रतिशत, आवास विकास, प्राधिकरण, जलकल व नगर निगम एवं निकाय कर्मियों के लिए के लिए 2 प्रतिशत, दिव्यांगजन के लिए 5 प्रतिशत क्षेत्रीय आरक्षण और वरिष्ठ नागरिक के लिए 10 प्रतिशत क्षेत्रीय आरक्षण होगा।

प्रयागराज में मारा गया झारखंड का कुख्यात माफिया छोटू सिंह पुलिस मुठभेड़ में ढेर, एके-47 और 9 एमएम पिस्टल बरामद

प्रयागराज, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रयागराज एसटीएफ पर एके-47 से फायरिंग करने वाले बदमाश को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। मारे गए बदमाश की पहचान झारखंड के कुख्यात माफिया और चार लाख रुपए के इनामी आशीष रंजन सिंह उर्फ छोटू सिंह के रूप में हुई। शातिर अपराधी आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह निवासी झारखंड के धनबाद स्थित जेसी मल्लिक रोड का रहने वाला था। अपराधी के कब्जे से पुलिस को एके-47 राइफल, नाइन एएमएम पिस्टल

समेत भारी मात्रा में कारतूस और खोखे बरामद हुए हैं। घेराबंदी के दौरान अपराधी ने पुलिस पर एके-47 से हमला कर दिया। इसमें एसटीएफ टीम बाल-बाल बच गई। जवाबी कार्रवाई में शातिर बदमाश को मार गिराया गया। छोटू सिंह बिहार और झारखंड में कई संगीन मामलों में वांछित था। वह अंतरराष्ट्रीय गैंग से जुड़ा था और पुलिस को लंबे समय से इसकी तलाश थी। एसटीएफ प्रयागराज को इनपुट मिला था कि यह वांछित अपराधी शंकरगढ़ क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर टीम तत्काल



मौके पर पहुंची। टीम में शामिल अधिकारी जेपी राय, प्रभंजन और रोहित सिंह ने जब उसे पकड़ने की कोशिश की तो अपराधी ने एके-47 राइफल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुए इस हमले में एसटीएफ के सभी सदस्य बाल-बाल बच गए। स्थिति की

गंभीरता को देखते हुए टीम ने आत्मरक्षाथ जवाबी फायरिंग की। कुछ ही देर चली मुठभेड़ में अपराधी को गोली लग गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कुख्यात माफिया आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह के खिलाफ कई चर्चित हत्याकांड में केस दर्ज हैं। छोटू सिंह मूल रूप से धनबाद का रहने वाला है और धनबाद जेल में बंद होने के बाद भी वह अपना बाहुबल बरकरार रखने में

कामयाब रहा।

पुलिस के मुताबिक आशीष यूपी और बिहार में सक्रिय था। 12 मई 2021 को धनबाद के वासेपुर में जमीन कारोबारी सरफुल हसन की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में भी आशीष रंजन आरोपी था और फरार चल रहा था। आशीष रंजन झरिया के टायर व्यवसायी रंजीत सिंह की हत्या का भी आरोपी था। उस पर रंगदारी मांगने और अमन सिंह की हत्या का भी मामला चल रहा था। अमन सिंह की हत्या के बाद उसने एक ऑडियो जारी कर इसकी जिम्मेदारी ली थी।

बिजनौर का मेरठ से सीधा संपर्क कटा, डूब गए हाईवे

बिजनौर, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

मालन नदी का तटबंध टूटने से मेरठ-पौड़ी नेशनल हाईवे पर बैराज के पास पानी आया तो यातायात बंद करा दिया गया। हस्तिनापुर-चांदपुर स्टेट हाईवे को भी गंगा का पानी काट चुका है। ऐसे में बिजनौर का मेरठ से सीधे संपर्क कट गया है। बृहस्पतिवार को बिजनौर बैराज पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से महज

दस सेंटीमीटर दूर यानि 219.90 मीटर दर्ज हुआ। हालांकि बुधवार के मुकाबले थोड़ा कम हुआ है। गंगा के अलावा मालन, खो, इकड़ा, बान आदि नदियों का पानी तटों से बाहर निकलकर सितम ढा रहा है। जिले के 30 से अधिक गांव में पानी भरा हुआ है। नजीबाबाद के मालन नदी के तट पर बसे मोहल्लों में पानी है। धामपुर शहर



की आबादी में इकड़ा नदी का पानी बह रहा है। धामपुर के रिहायशी इलाकों में लोग अपने घरों में कैद होकर रह गए हैं। बिजनौर में बाकरपुर गद्दी के पास

बुधवार को मालन नदी का तटबंध टूट गया है। पानी बिजनौर-रावली मार्ग से उतरते हुए बृहस्पतिवार की सुबह बिजनौर-बैराज मार्ग पर पहुंच गया। इस हाईवे पर दो से तीन फीट पानी चला तो पुलिस ने यातायात रोक दिया। ऐसे में मेरठ से बिजनौर आने जाने वाले वाहन खड़े हो गए। इस हाईवे पर नाव भी चलती देखी गई। कुछ लोगों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली

में सवार होकर पानी को पार किया।

बिजनौर से हरिद्वार वाया मंडावर मार्ग पर भी मालन नदी का पानी बह रहा है। यह मार्ग बीते तीन दिनों से बंद है। उधर मालन के पानी ने ही मंडावर से किरतपुर मार्ग को भी बंद कर दिया है। साथ ही बिजनौर की नई पुलिस लाइन में भी मालन नदी का पानी दो दो फीट तक भरा हुआ है।

छह साल कोर्ट के चक्कर लगाने के बाद मिला सैनिक परिवार को मुआवजा

लखनऊ, 07 अगस्त (व्यूरो)।

सैनिक की विधवा ने छह साल की दौड़-भाग की और कोर्ट के चक्कर लगाए जिसके बाद उन्हें 25 लाख रुपए का मुआवजा मिला। ड्यूटी पर जाते समय फिसल कर बालकनी से नीचे गिरने से सैनिक प्रसन्ना राय की मौत हो गई थी। प्रसन्ना राय गोरखा राइफल में राइफलमैन थे।

राइफलमैन प्रसन्ना राय की पत्नी निकिता राय को मुआवजा पाने के लिए करीब छह साल अफसरों और कोर्ट के चक्कर काटने पड़े। तीन छोटे बच्चों की परवरिश के लिए उन्हें रेस्टोरेंट का संचालन करते हुए ग्राहकों के जूठे बर्तन तक धोने पड़े। आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल की लखनऊ बेंच के 25 लाख मुआवजा देने के फैसले से उन्हें राहत मिली है। निकिता राय ने बताया कि वर्तमान में वह दार्जिलिंग के कलिपोंग शहर स्थित ससुराल में दो बेटी एंजिल और (18), आसना राय (16) साथ बैठे अमिक राय (14) के साथ रह रही हैं। 2018 में पति की मृत्यु के बाद वह दार्जिलिंग



चली गई थीं। नियमानुसार उन्हें 25 लाख रुपए मुआवजा मिलना चाहिए था, लेकिन नहीं दिया गया। चार साल चक्कर काटने के बाद उन्हें मजबूरन आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल में मुकदमा दायर करना पड़ा। तीन बच्चों की पढ़ाई और परवरिश सिर्फ पेंशन से नहीं चल पा रही थी, लिहाजा दार्जिलिंग में उन्होंने रेस्टोरेंट खोला। एक साल पहले छोटे बेटे को पीलिया हो गया। इलाज में काफी पैसे खर्च हुए। दो लाख का कर्ज भी लेना पड़ा। दार्जिलिंग से लखनऊ फैवरी के लिए आने-जाने में चार दिन लगते थे। बच्चों को अकेला या फिर ननिहाल में छोड़कर आना पड़ता था। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार गुप्ता और आर्म्ड फोर्सेज

ट्रिब्यूनल की लखनऊ बेंच ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में निकिता राय को 25 लाख रुपए एक्स ग्रेशिया मुआवजा देने का आदेश दिया। यह आदेश मेजर जनरल संजय सिंह की पीठ ने सुनाया। 31 अगस्त 2018 को लखनऊ स्थित सरकारी आवास की बालकनी से ड्यूटी के लिए निकलते समय प्रसन्ना राय का पैर फिसल गया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। एक सितंबर को कमांड अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई थी। कोर्ट ऑफ इन्कायरी ने यह हादसा सैन्य सेवा से संबंधित माना। इसके बावजूद पीसीडीए (पेंशन) प्रयागराज ने दो बार मुआवजे का प्रस्ताव खारिज कर दिया था।



घाना में सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश, दो मंत्रियों समेत 8 की मौत

अक्रा, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

अफ्रीकी देश घाना में एक सैन्य हेलीकॉप्टर दुर्घटना में देश के रक्षा और पर्यावरण मंत्री समेत आठ लोगों की मौत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट में राष्ट्रपति कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। वायु सेना का हेलीकॉप्टर देश के दक्षिणी हिस्से में एक जंगल में क्रैश हो गया। इसमें दो मंत्रियों के साथ दो शीर्ष अधिकारी भी शामिल थे। यह हादसा घाना में एक दशक से भी ज्यादा समय में हुई सबसे भीषण हवाई दुर्घटनाओं में से एक है।

रिपोर्ट के मुताबिक घाना की सेना ने बताया कि हेलीकॉप्टर ने सुबह राजधानी अक्रा से उड़ान भरी और उत्तर-पश्चिम

सरकार ने दुर्घटना को राष्ट्रीय त्रासदी बताया, देश में झड़े आधे झुकाए

दिशा में अशांति क्षेत्र के ओबुआसी स्थित सोने की खदान वाले इलाके की ओर जा रहा था, तभी रडार से गायब हो गया। बाद में इसका मलबा अशांति के अंदासी इलाके में मिला। हादसे की वजह का पता नहीं चल सका है। सेना ने कहा है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक हादसे में रक्षा मंत्री एडवर्ड ओमान बोआमाह और पर्यावरण

मंत्री इब्राहिम मुर्तला मुहम्मद के साथ सत्तारूढ़ दल नेशनल डेमोक्रेटिक कांग्रेस के उपाध्यक्ष सैमुअल सरपोंग, शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुनुर्कु मोहम्मद और चालक दल के चार सदस्यों की मौत हुई है। घाना सरकार ने इस दुर्घटना को राष्ट्रीय त्रासदी बताया है। वहीं, रक्षा मंत्री बोआमा के घर और पार्टी मुख्यालय पर शोक व्यक्त करने वाला का ताता लगा रहा। शोक में डूबे राष्ट्रपति महामा ने सभी सरकारी गतिविधियां तत्काल स्थगित कर दी हैं और देशभर में झंडे आधे झुका दिए गए हैं। शिक्षा मंत्री हरुना इदुरीसू ने बताया कि राष्ट्रपति इस घटना से 'गहरे भावनात्मक सदमे' में हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुर्घटनाग्रस्त विमान एक जेड-9 हेलीकॉप्टर था, जिसका इस्तेमाल परिवहन और चिकित्सा निकासी के लिए किया जाता है। दुर्घटनास्थल का एक मोबाइल फोन फुटेज सामने आया है, जिसमें घने जंगल वाले इलाके में सुलगता हुआ हेलीकॉप्टर का मलबा दिखाई दे रहा है। बता दें इसके पहले मई 2014 में घाना के तट पर एक सेवा हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें कम से कम 3 लोग मारे गए थे। 2012 में राजधानी अक्रा में एक मालवाहक विमान रनवे से फिसल गया था, जिसमें कम से कम 10 लोग मारे गए थे।

न्यूज़ ब्रीफ

बीएलए ने तुर्बत में पाकिस्तान के सैन्य काफिले पर हमले की जिम्मेदारी ली, दो जवानों को मारने का दावा



इस्लामाबाद। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान के बलूचिस्तान के तुर्बत शहर के पास पाकिस्तान के एक सैन्य काफिले पर हुए बम हमले की जिम्मेदारी ली। बीएलए ने दावा किया कि इस हमले में उसके लड़ाकों ने पाकिस्तान के दो सैन्य कर्मियों को मौत के घाट उतार दिया। रिपोर्ट के अनुसार, बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने जारी बयान में कहा कि लड़ाकों ने तुर्बत के बाहरी इलाके में गोगदान-सोराप पुल के पास रिमोट-नियंत्रित आईईडी से पाकिस्तान की सेना के तीन वाहनो वाले काफिले को निशाना बनाया। उन्होंने दावा किया कि विस्फोट में दो पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और कम से कम चार अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की सैन्य मीडिया शाखा आईएसपीआर ने अभी तक इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। तुर्बत में हुआ यह हमला पाकिस्तान के सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर बलूच सशस्त्र समूहों के बड़े अभियान का हिस्सा है। पिछले तीन सप्ताह में दर्जनों सैन्यकर्मियों मारे गए हैं। इनमें मेजर रंक के कई अधिकारी भी शामिल हैं। बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने बताया कि 16 जुलाई को मेजर सैयद रबनवाज तारिक अवारन जिले में किए गए उसके हमले में मारे गए। इसकी जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने ली थी। तीन दिन बाद मेजर अनवर काकर क्रेटा के जबल-ए-नूर के पास एक बम विस्फोट में मारे गए। इस विस्फोट को बीएलए के विशेष सामरिक अभियान दस्ते (एसटीओएस) ने अंजाम दिया। इसके अलावा 23 जुलाई को मेजर जैद सलीम मस्तुंग के पहाड़ी क्षेत्र में बीएलए लड़ाकों के साथ संघर्ष के दौरान मारे गए।

प्रधानमंत्री ओली को भारत भ्रमण का औपचारिक निमंत्रण देने भारत के विदेश सचिव करेंगे काठमांडू का दौरा

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को भारत भ्रमण का निमंत्रण देने के लिए भारत के विदेश सचिव विक्रम मिश्री काठमांडू का दौरा करने वाले हैं। नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई के निमंत्रण पर भारत के विदेश सचिव 17 अगस्त को काठमांडू आने वाले हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक विक्रम मिश्री 17-18 अगस्त दो दिनों की यात्रा पर आ रहे हैं। इस भ्रमण के दौरान भारतीय विदेश सचिव नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात कर उन्हें भारत भ्रमण के लिए औपचारिक निमंत्रण सौंपने वाले हैं। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से भेजे गए निमंत्रण पत्र को ओली को सौंपने के साथ ही पिछले एक वर्ष के लंबे इंतजार के बाद यह भ्रमण सुनिश्चित हो जाएगा। प्रधानमंत्री ओली के 16-17 सितंबर को भारत भ्रमण पर जाने की उम्मीद है। इस बारे में नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय और नेपाल के विदेश मंत्रालय के तरफ से पहले ही जानकारी दी जा चुकी है।

म्यांमार के कार्यवाहक राष्ट्रपति मिंग स्वे का निधन, देश में शोक

रगून। म्यांमार के कार्यवाहक राष्ट्रपति मिंग स्वे का गुरुवार को निधन हो गया। वे 74 साल के थे और पिछले कुछ समय से जुझ रहे थे उन्होंने लंबे समय तक देश की सेवा की और हाल के वर्षों में उन्हें कार्यवाहक राष्ट्रपति की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्हें सत्तारूढ़ सैन्य सरकार का भरोसेमंद चेहरा माना जाता था। मिंग पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जुझ रहे थे। उनके स्वास्थ्य को लेकर सरकार की ओर से ज्यादा जानकारी नहीं दी गई। उनके निधन की खबर सामने आते ही म्यांमार में शोक की लहर फैल गई। देश के रक्षा और सुरक्षा महकमे समेत सरकार के अन्य विभागों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सोशल मीडिया और टीवी चैनलों पर लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। मिंग स्वे को म्यांमार की राजनीति में सैन्य प्रतिनिधित्व का चेहरा माना जाता था। वह कई अहम प्रशासनिक निर्णयों और देश की नीतियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे। उनका योगदान सुरक्षा और आंतरिक मामलों में देखा गया। बता दें म्यांमार पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता और सैन्य शासन के खिलाफ संघर्ष के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में कार्यवाहक राष्ट्रपति का निधन देश की सत्ता और प्रशासन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।



सैन्य अधिकारी और नेता थे। मिंग पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जुझ रहे थे उन्होंने लंबे समय तक देश की सेवा की और हाल के वर्षों में उन्हें कार्यवाहक राष्ट्रपति की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्हें सत्तारूढ़ सैन्य सरकार का भरोसेमंद चेहरा माना जाता था। मिंग पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जुझ रहे थे। उनके स्वास्थ्य को लेकर सरकार की ओर से ज्यादा जानकारी नहीं दी गई। उनके निधन की खबर सामने आते ही म्यांमार में शोक की लहर फैल गई। देश के रक्षा और सुरक्षा महकमे समेत सरकार के अन्य विभागों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सोशल मीडिया और टीवी चैनलों पर लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। मिंग स्वे को म्यांमार की राजनीति में सैन्य प्रतिनिधित्व का चेहरा माना जाता था। वह कई अहम प्रशासनिक निर्णयों और देश की नीतियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे। उनका योगदान सुरक्षा और आंतरिक मामलों में देखा गया। बता दें म्यांमार पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता और सैन्य शासन के खिलाफ संघर्ष के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में कार्यवाहक राष्ट्रपति का निधन देश की सत्ता और प्रशासन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के डगमगाने के बीच 60 से अधिक देशों पर ट्रंप का टैरिफ प्रभावी

भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क का पहला चरण लागू, दूसरा 27 अगस्त से आ जाएगा प्रभाव में

वाशिंगटन, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से महानों से जारी उठापटक का आर्थिक असर साफ दिख रहा है। देश की डगमगा रही अर्थव्यवस्था के बीच 60 से अधिक देशों और यूरोपीय संघ पर आयात पर राष्ट्रपति की निर्धारित की गई टैरिफ (शुल्क) दर से प्रभावी हो गई। इसी के साथ भारत से आयात पर घोषित 25 प्रतिशत शुल्क का पहला चरण भी प्रभावी हो गया।

सीबीएस न्यूज के अनुसार, व्हाइट हाउस ने कहा कि मध्यरात्रि (पूर्वी समयानुसार) के ठीक बाद से 60 से ज्यादा देशों और यूरोपीय संघ के उत्पादों पर 10 प्रतिशत या उससे अधिक की टैरिफ दरें लागू हो गईं। यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया के उत्पादों पर 15 प्रतिशत कर लगाया गया है। ताइवान, वियतनाम और बांग्लादेश से आयात पर 20 प्रतिशत कर प्रभावी हो गया। ट्रंप को उम्मीद है कि यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश अमेरिका में अरबों डॉलर का निवेश करेंगे।

राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस की इस घोषणा के फौरन बाद ट्विटर सोशल पर लिखा, आधी रात हो गई है!!! अरबों डॉलर के टैरिफ अब संयुक्त राज्य अमेरिका में आ रहे हैं। व्हाइट हाउस ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि भारत को 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना पड़ेगा। इसके बाद ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस आदेश में लगभग 60 देशों के लिए शुल्क दरों की घोषणा की थी। इस 25 प्रतिशत शुल्क के अलावा ट्रंप ने कल भारत पर रूसी तेल की खरीद को लेकर और 25 प्रतिशत शुल्क और लगा दिया। इसके बाद भारत पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है। यह किसी भी देश पर लगाए गए सबसे अधिक शुल्क में से एक है। यह अतिरिक्त टैरिफ 27 अगस्त से प्रभावी होगा।

ट्रंप और व्हाइट हाउस को विश्वास है कि इस टैरिफ की शुरुआत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की दिशा के बारे में स्पष्टता प्रदान करेगी। प्रशासन का मानना



है कि वह नए निवेश को बढ़ावा दे सकता है। बावजूद इसके अमेरिका को खुद पर लगे जख्मों के संकेत मिल रहे हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल में राष्ट्रपति के टैरिफ की प्रारंभिक शुरुआत के साथ अमेरिकी अर्थव्यवस्था में गिरावट आई। इससे बाजार में हलचल मच गई। इसके बाद बातचीत का दौर चला और ट्रंप ने 07 अगस्त से सार्वभौमिक टैरिफ लागू करने का अंतिम फैसला लिया।

डायनैमिक इकोनॉमिक स्ट्रैटेजी के सीईओ जॉन सिल्विया ने कहा कि अप्रैल के बाद आर्थिक रिपोर्टों से पता चला कि भर्तियां रुक गई हैं। मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ गया और प्रमुख बाजारों में गिरावट शुरू हो गई। सिल्विया ने एक विश्लेषण नोट में कहा, कम उत्पादक अर्थव्यवस्था में कम श्रमिकों की आवश्यकता होती है। लेकिन इससे भी अधिक ऊंची टैरिफ दरें श्रमिकों के वास्तविक वेतन को कम करती हैं। अर्थव्यवस्था कम उत्पादक हो गई है, और कंपनियां पहले जैसा वास्तविक वेतन नहीं दे सकतीं। उन्होंने कहा कि टैरिफ के असल प्रभाव का असर दिखने में वर्षों लग सकते हैं।

ट्रंप ने टैरिफ को लगातार व्यापार घाटे को कम करने के एक उपाय के रूप में देखा है। लेकिन आयातकों ने करों के लागू होने से पहले ही अधिक वस्तुओं का आयात करके करों से बचने की कोशिश की है। परिणामस्वरूप, वर्ष की पहली छमाही में 582.7 बिलियन डॉलर का व्यापार असंतुलन 2024 की तुलना

में 38 फीसद अधिक रहा। पिछले वर्ष की तुलना में कुल निर्माण व्यय में 2.9 फीसद की गिरावट आई है। फैक्टरी के कामगारों के सामने वास्तव में बेरोजगारी का संकेत बढ़ गया है।

बड़ी बात यह है कि ट्रंप कंप्यूटर चिप्स पर 100 फीसद टैरिफ लगाने की घोषणा कर चुके हैं। राष्ट्रपति के टैरिफ लगाने के लिए आर्थिक आपातकाल घोषित करने वाला 1977 के एक कानून का इस्तेमाल भी चुनौती के घेरे में है। पिछले हफ्ते अमेरिकी अपील अदालत में सुनवाई भी हो चुकी है। फैसला आना बाकी है, लेकिन न्यायाधीश कह चुके हैं कि ट्रंप ने अपने अधिकार का अतिक्रमण किया है। यहां तक कि ट्रंप के पहले कार्यकाल में उनके साथ काम करने वाले लोग भी इस बात को लेकर संशय में हैं कि अर्थव्यवस्था सुचारु रूप से आगे बढ़ेगी। पूर्व रिपब्लिकन हाउस स्पीकर पॉल रयान इस समय ट्रंप के मुखर आलोचक के रूप में उभरे हैं। रयान ने कहा, राष्ट्रपति अपनी सनक के आधार पर टैरिफ बढ़ाना चाहते हैं। मुझे लगता है कि आगे कुछ उतार-चढ़ाव भरे हालात होंगे। उन्हें कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। उधर ट्रंप को आर्थिक उछाल की उम्मीद है। द संचुरी फाउंडेशन की वरिष्ठ फेलो रेचल वेस्ट ने कहा, एक व्यक्ति है जो खुद पैदा की जा रही अनिश्चितता को लेकर लापरवाह हो सकता है और वह हैं डोनाल्ड ट्रंप। बाकी अमेरिकी पहले से ही इस अनिश्चितता की कोख में पकड़े जा सकते हैं।

फ्रांस में जंगल की आग से उड़ता हुआ धूआं



फ्रांस में जंगल की आग से उड़ता हुआ धूआं, जिसपर नियंत्रण के लिए दमकलकर्मियों प्रयास करते हुए। ये पिछले 80 सालों में जंगल में लगी सबसे बड़ी आग है।

चीन थारलुंग जम्बो बांध से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार के जल प्रवाह पर नियंत्रण करने में सक्षम हो जाएगा-रिपोर्ट

बीजिंग, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

चीन ने अपनी सीमा के अंदर भारत से मात्र 30 किलोमीटर दूर थारलुंग जम्बो नदी पर बांध बनाना शुरू कर दिया है। थारलुंग जम्बो नदी को भारत में ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है। थारलुंग जम्बो बांध परियोजना का निर्माण पूरा होने के बाद चीन अंतरराष्ट्रीय सीमा पार के जल प्रवाह पर नियंत्रण करने में पूरी तरह सक्षम हो जाएगा। जियोपॉलिटिकल मॉनिटर में पांच अगस्त को प्रकाशित रिपोर्ट में चीन की जल महत्वाकांक्षा पर चर्चा की गई है।

जियोपॉलिटिकल मॉनिटर की रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना चीन के एक ऐसे जल प्रभुत्व के रूप में उभरेगी जो बीजिंग के रणनीतिक लाभ के लिए कई अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार जल प्रवाह में हेरफेर करने में सक्षम होगी। हालांकि बीजिंग इसे अपनी नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन और तिब्बत विकास योजना के हिस्से के रूप में प्रचारित कर रहा है। सच यह है कि यह परियोजना

उसके सुनियोजित भू-राजनीतिक आधिपत्य की ओर इशारा करती है। इसका विस्तार ऊर्जा सुरक्षा संबंधी विचार से कहीं आगे तक है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग इस परियोजना का औपचारिक उद्घाटन कर पूरे दक्षिण एशिया में जल को एक रणनीतिक हथियार में बदलने का संकेत दे चुके हैं। यह परियोजना श्री गार्जेंस बांध को पीछे छोड़ते हुए लगभग 70 गीगावाट बिजली का उत्पादन करेगी। चीन ने इस परियोजना पर काम क्षेत्रीय तनाव के दौर में शुरू किया है। चीन वैसे भी तिब्बती पठार पर बसे समुदायों और साथ क्षेत्र के विशाल जल संसाधनों पर नियंत्रण मजबूत करने का दुस्साहस करता रहता है। जियोपॉलिटिकल मॉनिटर के अनुसार, चीन के इंजीनियर पांच चरणबद्ध विद्युत उत्पादन सुविधा की विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से नदी के प्रवाह को को मोड़ने के लिए नामचा बरवा पर्वतमाला के नीचे 20 किलोमीटर लंबे कई मार्गों पर खुदाई का प्रस्ताव किया है। चीन की सरकारी



समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने उल्लेख किया है, यह सोधा करने का कार्य मानव इतिहास की सबसे महत्वाकांक्षी पर्वतीय इंजीनियरिंग परियोजनाओं में से एक है। इस कार्य की अनुमानित लागत 1.2 ट्रिलियन युआन (167 बिलियन डॉलर) है। रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना राष्ट्रपति शी जिनपिंग की प्राथमिकता में है। बीजिंग का लक्ष्य तिब्बत की जलविद्युत क्षमता को दोहरा करके चीन के व्यस्त पूर्वी महानगरों को बिजली की आपूर्ति करना है। तिब्बत चीन की कुल जलविद्युत क्षमता में लगभग

इस्लामाबाद, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

बलूचिस्तान में ईरान और इराक की चेहल्लूम तीर्थयात्रा मार्ग के लंबे हिस्से में पाकिस्तान की सघीय सरकार के प्रतिबंध लगाने की मुखालफत शुरू हो गई है। इस प्रतिबंध के विरोध में कराची से शुरू हुए शिया तीर्थयात्रियों के पैदल मार्च को बलूचिस्तान पुलिस ने सिंध-बलूचिस्तान सीमा के पास हब नदी पुल पर तापतान सीमा पर पहुंचने से पहले रोक दिया।

खबर के अनुसार, बलूचिस्तान पुलिस और आतंकवाद-रोधी बल



(एटीएफ) के जवानों ने बलूचिस्तान में प्रवेश के मुख्य मार्गों को अवरुद्ध कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मसले को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत चल रही है। इस मार्च का नेतृत्व विभिन्न शिया संगठनों के प्रतिनिधि कर रहे हैं। मार्च में महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे और युवा शामिल हैं।

चेहल्लूम आशुरा के चालीस दिन बाद पड़ता है। चेहल्लूम के लिए इराक के कर्बला में इमाम हुसैन की दरगाह की तीर्थयात्रा में हर साल दुनिया भर से लाखों लोग शामिल होते हैं। पाकिस्तान से सैकड़ों तीर्थयात्री पारंपरिक रूप से बलूचिस्तान में ताफ्तान सीमा के रास्ते ईरान और फिर इराक जाते हैं। बलूच यकजेहती

समिति ने इस प्रतिबंध की निंदा करते हुए इसे धार्मिक स्वतंत्रता का स्पष्ट उल्लंघन बताया है। संगठन ने कहा कि राज्य का दायित्व है कि वह तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, न कि व्यापक प्रतिबंध लगाए। बीवाईसी ने मार्च को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए इसे एक वैध संबैधानिक और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति बताया है।

अमेरिका में सालसा के स्वर्ण युग की शुरुआत करने वाले दिग्गज संगीतकार एडी पाल्मिएरी का निधन

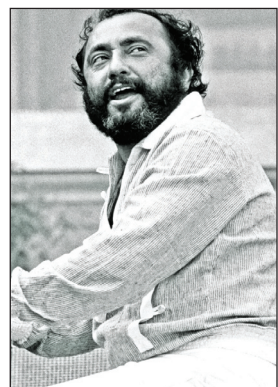
वाशिंगटन, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका के न्यूयॉर्क में सालसा के स्वर्ण युग की शुरुआत करने वाले 20वीं सदी के महान संगीतगार एडी पाल्मिएरी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। 88 वर्षीय पाल्मिएरी ने बुधवार को न्यू जर्सी के हैकेनसैक स्थित अपने घर पर आखिरी सांस ली। उनकी सबसे छोटी बेटी गैब्रिएला ने उनके निधन की पुष्टि की। पियानोवादक और बैंड लीडर पाल्मिएरी का सर्वाधिक योगदान अफ्रीकी-कैरेबियाई संगीत के सालसा में है। जीवंत नृत्य शैली से भरपूर सालसा को लयबद्ध और जोशीला संगीत माना जाता है।

खबर के अनुसार, एडी ने 1961 में पहला आठ सदस्यों वाला %ला परफेक्टा बैंड स्थापित किया। उन्होंने इसके माध्यम से लैटिन संगीत में कई शैलीगत बदलाव किए। इससे उन्हें आय के रूप में अकूत संपत्ति प्राप्त हुई। उन्होंने कभी भी नवाचार करना बंद नहीं किया।

1970 के दशक में पाल्मिएरी ने वामोनोस पाल मोटे और दसन ऑफ लैटिन म्यूज़िक सहित कई बेहद लोकप्रिय एलबम में जैज, रॉक, फंक और यहां तक कि आधुनिक शास्त्रीय संगीत के साथ सालसा को भी शामिल किया। उन्होंने फ्यूजन बैंड हॉलेम रिवर ड्राइव के साथ भी काम किया। जैज संगीतकार कैल त्वाटर, ब्रायन लिंच और डोनाल्ड हैरिसन के साथ उनकी जोड़ी ने भरपूर ख्याति अर्जित की।

पाल्मिएरी ने हर्दम जैज पियानोवादक मैकौय टाइजर और थेलोनियस मॉक को अपना प्रेक माना। प्यूटी रिकान संस्कृति के विद्वान नुआन एस्तोरेस ने सालसा राजजिंग: न्यूयॉर्क लैटिन म्यूज़िक ऑफ द सिक्सटीज जेनरेशन



(2016) में लिखा है कि पाल्मिएरी सालसा के सांस्कृतिक आंदोलन के प्रमुख प्रवर्तक हैं। उन्हें 2013 में नेशनल एंडोमेंट फॉर द आर्ट्स ने जैज मास्टर की उपाधि दी। लैटिन ग्रैमी में उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। हालांकि वह कभी हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी नहीं कर सके। पाल्मिएरी

खुद को न्यूयॉर्क के मजदूर वर्ग और प्यूटी रिकान इलाकों का राजदूत मानते थे। वह अपने पिता के आइसक्रीम पॉलर में एग क्रोम परोसते हुए बैठे हुए। वर्षों तक उन्होंने आंतरिक राजस्व सेवा को कर देने से इनकार कर दिया। उन्होंने राजनीतिक अर्थशास्त्री हेनरी जॉर्ज के विचारों का अपनाया कि आयकर डेकेती का एक वैध रूप है। बाद में, पाल्मिएरी ने अपनी ख्याति का उपयोग ग्रैमी पुरस्कारों में लैटिन संगीत को अधिकाधिक शामिल करने के लिए आंदोलन चलाने में किया। उन्होंने वर्षों तक रिकॉर्डिंग अकादमी के न्यूयॉर्क बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य के रूप में कार्य किया और 1995 में सर्वश्रेष्ठ लैटिन जैज एलबम श्रेणी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बलूचिस्तान पुलिस ने शिया तीर्थयात्रियों के विरोध मार्च को हब नदी पुल पर रोक

इस्लामाबाद, 07 अगस्त (एजेंसियां)। बलूचिस्तान में ईरान और इराक की चेहल्लूम तीर्थयात्रा मार्ग के लंबे हिस्से में पाकिस्तान की सघीय सरकार के प्रतिबंध लगाने की मुखालफत शुरू हो गई है। इस प्रतिबंध के विरोध में कराची से शुरू हुए शिया तीर्थयात्रियों के पैदल मार्च को बलूचिस्तान पुलिस ने सिंध-बलूचिस्तान सीमा के पास हब नदी पुल पर तापतान सीमा पर पहुंचने से पहले रोक दिया।

खबर के अनुसार, बलूचिस्तान पुलिस और आतंकवाद-रोधी बल



(एटीएफ) के जवानों ने बलूचिस्तान में प्रवेश के मुख्य मार्गों को अवरुद्ध कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मसले को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत चल रही है। इस मार्च का नेतृत्व विभिन्न शिया संगठनों के प्रतिनिधि कर रहे हैं। मार्च में महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे और युवा शामिल हैं।

चेहल्लूम आशुरा के चालीस दिन बाद पड़ता है। चेहल्लूम के लिए इराक के कर्बला में इमाम हुसैन की दरगाह की तीर्थयात्रा में हर साल दुनिया भर से लाखों लोग शामिल होते हैं। पाकिस्तान से सैकड़ों तीर्थयात्री पारंपरिक रूप से बलूचिस्तान में ताफ्तान सीमा के रास्ते ईरान और फिर इराक जाते हैं। बलूच यकजेहती

समिति ने इस प्रतिबंध की निंदा करते हुए इसे धार्मिक स्वतंत्रता का स्पष्ट उल्लंघन बताया है। संगठन ने कहा कि राज्य का दायित्व है कि वह तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, न कि व्यापक प्रतिबंध लगाए। बीवाईसी ने मार्च को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए इसे एक वैध संबैधानिक और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति बताया है।

निरंतर विनाश हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन थारलुंग जम्बो बांध परियोजना को हर हाल में पूरा करना चाहेगा। वह इससे पहले 2024 में कामटोक बांध परियोजना का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों से निपट चुका है। बीजिंग के बांध निर्माण की घोषणा का समय भारत के पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निर्बंधित करने के कुछ महनों बाद का रखना उसके क्षेत्रीय निमित्तार्थों की ओर गहरा करता है। चीन का निर्णय दक्षिण एशिया में जल कटनीति की उभरती उसकी गतिशीलता का भी प्रतीक है। बांध का स्थान इसके भू-रणनीतिक महत्व को दर्शाता है। दुनिया की सबसे गहरी और विस्तृत घाटी प्रणाली के भीतर भारत के साथ चीन की विवादित सीमा से केवल 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह बांध कई भू-राजनीतिक भ्रंश रेखाओं के संगम पर स्थित है। थारलुंग जम्बो नदी नामचा बरवा पर्वत के चारों ओर घूमती है जहां यह 50 किलोमीटर की दूरी में काफी ऊंचाई पर उतरती है।



पेटेीएम के बाद अब चीन की एक दिग्गज कंपनी भी जोमैटो से बाहर निकलेगी

नई दिल्ली,07 अगस्त (एजेंसियां) ।

चीन के दिग्गज उद्योगपति जैक मा की कंपनी-एंट फाइनैशियल भारत की एक और कंपनी से बाहर निकलने की तैयारी कर रही है। दरअसल, एंट फाइनैशियल ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी इटरनल लिमिटेड यानी जोमैटो में एक ब्लॉक डील के जरिए हिस्सेदारी बेच सकती है। बता दें कि एंट फाइनैशियल ने हाल ही में हिस्सेदारी बेचकर पेटोएम से खुद को अलग कर लिया है। एक खबर के मुताबिक इटरनल में एंट फाइनैशियल ब्लॉक डील के तहत 18.85 करोड़ शेयर बेच सकता है। एंटरफिन जितने शेयर बेचने की योजना बना रहा है, वह कंपनी की

बकाया इक्विटी का 2 फीसदी है।

ब्लॉक डील के लिए फ्लोर प्राइस 285 प्रति शेयर तय किया गया है, जो बुधवार को इटरनल के बंद भाव से 5 फीसदी कम है। इस खबर के बीच, इटरनल के शेयर बुधवार को 0.7 फीसदी गिरकर 300 पर बंद हुए। पिछले एक महीने में यह शेयर 16 फीसदी चढ़ा है। एक सप्ताह में यह भारत की दूसरी कंपनी है जिसमें से एंट फाइनैशियल ने हिस्सेदारी बेच रही है। बीते दिनों उद्योगपति जैक मा की कंपनी एंट फाइनैशियल ने डिजिटल भुगतान मंच पेटोएम की मूल कंपनी बन97 कम्युनिकेशंस में अपनी समूची 5.84 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 3,980 करोड़ रुपये में बेच दी है।

आरबीआई का एलान: आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने जरूरी कदम उठाएंगे

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद कहा कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर बनाए रखने के लिए जो भी आवश्यक होगा, आरबीआई वह करता रहेगा। उन्होंने बताया कि हाल ही में भारत ने ब्रिटेन, यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौते किए हैं, जबकि अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य देशों से बातचीत जारी है। गवर्नर ने कहा कि टैरिफ जैसे वैश्विक कारकों से अर्थव्यवस्था पर असर हो सकता है, लेकिन आरबीआई स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने बताया कि देश के पास 11 महीने के आयात को कवर करने योग्य विदेशी मुद्रा भंडार है। बैंकिंग क्षेत्र की स्थिति भी संतोषजनक है—ग्रोस एनपीए 2.2 फीसदी और नेट एनपीए 0.5–0.6 फीसदी है।

न्यूज़ ब्रीफ

जीएसटी घोखाधड़ी मामले में ईडी का तीन राज्यों में 12 ठिकानों पर छापा



नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 750 करोड़ रुपये के ‘‘फर्जी’’ वस्तु वपू सेवा कर (जीएसटी) चालान बनाने के मामले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में छापे मारे हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत तीनों राज्यों में 12 ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई की है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत चल रही जांच के सिलसिले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में 12 ठिकानों पर तलाशी ले रहा है। यह मामला फर्जी संस्थाओं और अनधिकृत वित्तीय चैनलों से जुड़े बड़े पैमाने पर फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) घोखाधड़ी से संबंधित है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय जांए एजेंसी की यह कार्रवाई शिव कुमार देवड़ा की गिरफ्तारी से शुरू हुई, जिसकी पहचान इस सिंडिकेट के मुख्य मास्टरमाइंड के रूप में हुई है। मई, 2025 में उसकी गिरफ्तारी के बाद पिछले महीने उसे चार्जशीट किया गया था।

जुलाई में घरेलू वाहन बिक्री में 4 फीसदी की गिरावट



नई दिल्ली । फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने गुरुवार को बताया कि जुलाई 2024 में भारत में घरेलू स्तर पर वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर लगभग 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इस महीने कुल पंजीकरण 19,64,213 इकाई तक सीमित रहे, जबकि जुलाई 2023 में यह आंकड़ा 20,52,759 इकाई था। विशेष रूप से यात्री वाहनों की बिक्री में मामूली गिरावट आई है। जुलाई 2024 में यात्री वाहन की बिक्री 3,28,613 इकाई रही, जो पिछले साल जुलाई में 3,31,280 इकाई थी। फाडा ने बताया कि यह कमी मुख्य रूप से पिछले साल की तुलना में उच्च आधार प्रभाव के कारण हुई है, जहां पिछला वर्ष अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया था ग्रामीण क्षेत्रों में वाहन बिक्री को बढ़ावा देने के लिए शुभ दिनों, लक्षित योजनाओं और ग्रामीण विपणन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव देखा गया। वहीं, शहरी इलाकों में ग्राहक की सीमित धारणा और मांग कमजोर रहने के कारण बिक्री धीमी रही फाडा ने यह भी कहा कि आने वाले त्योहारी सत्र में बिक्री को मजबूत बनाए रखने के लिए बाजार में निपुण और संतुलित छूट, बेहतर वित्तीय सुविधाएं और शहरी इलाकों में व्यापक पहुंच सुनिश्चित करना जरूरी होगा। इसके अलावा, उपभोक्ताओं की उम्मीदों को पूरा करने के लिए कंपनियों को रणनीतिक कदम उठाने होंगे ताकि वाहन बिक्री में तेजी लाई जा सके ।

महिंद्रा ग्रुप अपने 14,000 कर्मचारियों को दिवाली पर देंगे शेरय



नई दिल्ली । महिंद्रा ग्रुप ने इस दिवाली अपने 14,000 से अधिक कर्मचारियों को एक खास तोहफा दिया है। कंपनी ने बोनस के रूप में नकद राशि देने की बजाय कर्मचारियों को कंपनी के शेयर देने की घोषणा की है। इस वन-टाइम बोनस की कुल वैल्यू लगभग 500 करोड़ रुपये होगी। इस योजना का लाभ महिंद्रा एंड महिंद्रा (ऑटो और फार्म सेक्टर्स), महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल और महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी की युनिट्स में कार्यरत स्थायी कर्मचारियों को मिलेगा। खास बात यह है कि इस योजना में फेवर्टी और शॉपफ्लोर वर्कर्स को भी शामिल किया गया है। यह पहली बार है जब किसी भारतीय कंपनी ने दिवाली बोनस के रूप में स्टॉक वितरित किए हैं और साथ ही पहली बार महिंद्रा ने अपने ब्लू-कॉलर कर्मचारियों को स्टॉक ओनरशिप का लाभ दिया है। इस योजना के लिए पात्र कर्मचारी वे होंगे जो कंपनी के परमावर्त पे-रोल पर हैं और जिन्होंने कम से कम 12 महीने की सेवा पूरी कर ली है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में महिंद्रा एंड महिंद्रा का मुनाफा सालाना आधार पर 24 फीसदी बढ़कर 4083 करोड़ हो गया है, जबकि कंपनी की कुल आय 45,529 करोड़ रही। इस पहल से न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि उन्हें कंपनी की ग्रोथ से सीधे जुड़ने का अवसर भी मिलेगा ।

बिहार में बसना...

बहरहाल, आधिकारिक तौर पर यही बताया गया कि ट्रंप के नाम से फर्जी आवेदन देने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई है।

जिला प्रशासन को दिए आवेदन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर लगी है। उन्हें हसनपुर गांव का मूल निवासी बताया गया था। उनके पिता का नाम फ्रेडरिक क्राइस्ट ट्रंप और माता का नाम मैरी ऐनी मैकलियोड बताया गया है। ये दोनों नाम अमेरिकी राष्ट्रपति के पिता और माता के असली नाम हैं। आवासीय प्रमाण-पत्र के लिए ट्रंप का ऑनलाइन आ-वेदन 29 जुलाई को दाखिल हुआ था। जिला प्रशासन के राजस्व विभाग ने इस आवेदन को बेसाख्ता खारिज कर दिया। पूरा सरकारी तंत्र ट्रंप सरीखे राहुल गांधी की हरकतों से परेशान है। जिला प्रशासन को लगा कि चुनाव आयोग के वोटर लिस्ट पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को बदनाम करने के लिए तो यह फर्जीवाड़ा नहीं किया गया, इसी आशंका से डोनाल्ड ट्रंप का आ-वेदन खारिज कर दिया गया।

चुनाव आयोग की ओर से एसआईआर कवायद शुरू किए जाने के बाद से बिहार में ऐसी कई घटनाएं हो चुकीं, इसलिए शासन-प्रशासन का चौकन्ना रहना वाजिब और स्वाभाविक है। हाल ही में पटना में एक डांग बाबू और नवादा में डंगेश बाबू नाम से आवेदन मिले थे। डांग बाबू और डंगेश बाबू तो बिना प्रमाण पत्र के भी जहां चाहे रह सकते हैं, इसके लिए उन्हें आवेदन करने की क्या जरूरत थी। यह विचार करते हुए प्रशासन ने डांग बाबू और डंगेश बाबू के आवेदनों को भी खारिज कर दिया था। इसी लपेटे में फिल्म अभिनेत्री सोनालिका ट्रेक्टर भी आ गईं। पूर्वी चंपारण जिले में भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री सोनालिका ट्रेक्टर ने निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। लेकिन सोनालिका के नाम के साथ ट्रेक्टर उपनाम लगा था, इसलिए प्रशासन ने उनका आ-वेदन खारिज कर दिया।शासन-प्रशासन को जैसा संहत था वैसा ही हुआ। इन सबके पीछे खेल किन तथ्यों का था फौरन ही समझ में आ गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमदीप सिंह सुरजेवाला ने बिहार की मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया को इस फर्जीवाड़ा से जोड़ते हुए फौरन ही प्रतिक्रिया जता दी। सुरजेवाला ने कहा, यह सबसे बड़ा सबूत है कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण एक धोखाधड़ी है, जिसका उद्देश्य वोट चुराना है। कांग्रेस और राहुल गांधी इस साजिश को विफल करने के लिए लड़ रहे हैं। ऐसी स्थिति में चुप रहना एक अपराध है। आप समझ गए न... डोनाल्ड ट्रंप, डांग बाबू, डंगेश बाबू और फिल्म अभिनेत्री सोनालिका ट्रेक्टर किन शक्तियों के हाथों में खेल रही हैं। बिहार में कौआ, राम-सीता जैसे कई नामों से दाखिल किए गए आवेदन इन्हीं षडयंत्रकारियों की दिमागी उपज हैं, जो देश में अराजकता का सृजन करने में पूरी ताकत झोंक रहे हैं।

किताबों के जरिए...

सरकार ने यह भी कहा है कि बैन की गई 25 ऐसी पुस्तकों की पहचान की गई है जो अलगाववाद को बढ़ावा देने वाली और भारत की संप्रभुता और अखंडता को खतरें में डालने वाली पाई गई हैं, जिससे भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 152, 196 और 197 के प्रावधान लागू होते हैं।

जम्मू-कश्मीर के गृह विभाग द्वारा बैन की गई 25 किताबों में 1. ह्यूमन राइट्स वाइलेंस इन कश्मीर, पिओट्र बाल्सरोविच और अग्रिस्का कुस्चेवस्का, रूटलेज (मनोहर प्रकाशक और वितरक), 2. कश्मीरी फाइट फॉर फ्रीडम, मोहम्मद युसुफ सराफ (फिरोज संस, पाकिस्तान), 3. कश्मीर का उपनिवेशीकरण: भारतीय कब्जे में राज्य निर्माण, हफ्सा कंजवाल (स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस), 4. कश्मीर राजनीति और जनमत संग्रह, डॉ. अब्दुल गोखमी जब्बार (गुलशन पुस्तकें, कश्मीर), 5. क्या आपको कुनान पोशपोरा याद है? एस्सागर बतूल और अन्य (जुबान बुक्स), 6. मुजाहिद की अजान, इमाम हसन अल-बाना शहीद-मौलाना मोहम्मद इनायतुल्लाह सुभानी (मरकजी मकतबा इस्लामी पब्लिशर्स दिल्ली द्वारा संपादित), 7. अल जिहादुल फिल इस्लाम, मौलाना मौदादी (दारुल मुसत्रिफिन्-मरकजी मकतबा इस्लामी पब्लिशर्स दिल्ली), 8. स्वतंत्र कश्मीर, क्रिस्टोफर स्नेडेन (मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी प्रेस और सैंकटम बुक्स दिल्ली), 9. कश्मीर में कब्जे का विरोध, हेलेी दुस्चिंस्की, मोना इन भट, अथर जिया और सिंथिया महमूद (पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय प्रेस), 10. लोकतंत्र और राष्ट्र के बीच: कश्मीर में लिंग और सैन्यीकरण, सीमा काजी (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस), 11. विवादित भूमि, सुमंत्र बोस (हारपर कॉलिन्स भारत), 12. भविष्य की खोज में: कश्मीर की कहानी, डेविड देवदास (वाइकिंग पेंगुइन), 13. कश्मीर में संघर्ष: भारत, पाकिस्तान और अतहीन युद्ध, विक्टोरिया स्कोफील्ड (ब्लूम्सबरी इंडिया एकेडमिक), 14. कश्मीर विवाद: 1947-2012, एजी नुरानी (तुलिका पुस्तकें), 15. चौराहे पर कश्मीर: 21वीं सदी के संघर्ष के अंदर, सुमंत्र बोस (पेन मैकमिलन इंडिया), 16. एक विघटित राज्य: अनुच्छेद 370 के बाद कश्मीर की अनकही कहानी, अनुराधा भसीन (हारपर कॉलिन्स भारत), 17. गावब होने का विरोध: कश्मीर में सैन्य कब्ज़ा और महिलाओं की सक्रियता, अथर जिया (जुबान), 18. आतंकवाद का सामना, मारूफ रजा द्वारा संपादित (पेंगुइन इंडिया), 19. कैद में आजादी: कश्मीरी सीमांत क्षेत्र में अपनेपन

की बातचीत, रथिका गुप्ता (कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस), 20. कश्मीर: द केस फॉर फ्रीडम, तारिक अली, हिलाल भट्ट, अंगना पी. चटर्जी, पंकज मिश्रा और अरंधति रॉय (वसु बुक्स), 21. आजादी, अरंधति रॉय (पेंगुइन इंडिया), 22. अमेरिका और कश्मीर, डॉ. शमशाद शान (गुलशन पुस्तकें), 23. कश्मीर में कानून और संघर्ष समाधान, पियोत्र बालसेरोविक्ज और अग्रिन्स्का कुस्चेवस्का (रूटलेज), 24. तारीख-ए-सियासत कश्मीर, डॉ. अफाक (कारवान-ए-तहकीक-ओ-सकाफत कश्मीर) और 25. कश्मीर और दक्षिण एशिया का भविष्य, सुगाता बोस और आयशा जलाल द्वारा संपादित (रूटलेज) शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर में आतंक-अलगाववाद को बढ़ाने वाली 25 किताबों में अरंधति रॉय की किताब आजादी भी शामिल है। ये वही वामपंथी लेखिका हैं जिन्होंने पंजाब और तेलंगाना को उपनिवेश बताया था। उन पर यूएपीए के तहत केस चल रहा है। प्रतिबंधित लेखकों में अरंधति रॉय के अलावा एजी नुरानी, सुमंत्रा बोस, अन-राधा भसीन जैसी कई स्वनामधन्य लेखिकाएं शामिल हैं। सरकार ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि इन लेखकों ने अपनी किताबों के जरिए ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मुड़ाकर पेश किया है और आतंकवादियों को हीरो की तरह दिखाया है। सेना और सुरक्षाबलों की छवि खराब करने की कोशिश की गई है और धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा दिया गया है। ये किताबें युवाओं को हिंसा की तरफ ले जाने वाली सोच को बढ़ावा देती हैं। लिहाजा, इन किताबों को भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 152, 196 और 197 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 98 के तहत जब्त घोषित कर दिया गया है।

भारत ने...

और 24 घंटे निगरानी के साथ सटीक हमले की क्षमता के साथ आएंगे। वायु सेना के लिए सी-17 और सी-130जे जैसे भारी परिवहन विमानों के रखरखाव और अपग्रेड का प्रस्ताव भी इसमें शामिल है। नौसेना के लिए कॉम्पैक्ट ऑटोनामस सर्फेस क्रॉफ्ट, ब्रह्मोस मिसाइल के लिए फायर कंट्रोल सिस्टम और लॉन्चर और बराक-1 मिसाइल प्रणाली का अपग्रेड का प्रस्ताव शामिल किया गया है। ये सभी उपकरण समुद्री सुरक्षा, पनडुब्बी रोधी युद्ध और तटीय निगरानी में एक स्तर ऊपर उठेंगे। इन सभी प्रस्तावों को मेक इन इंडिया पहल के तहत स्वदेशी निर्माण को प्राथमिकता देते हुए मंजूरी दी गई है ताकि देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को भी बढ़ावा मिले।

यह रक्षा खरीद निर्णय भारत की सुरक्षा रणनीति में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। खास तौर पर अगर चीन और पाकिस्तान से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों को देखा जाए तो ये रक्षा उपकरण आधुनिक होने के साथ बेहतर मारक और सुरक्षा प्रणाली से लैस होंगे। इस खरीद से भारतीय सेनाओं को आधुनिक हथियार तो मिलेंगे ही, पर साथ ही उनकी जवाबी कार्रवाई की क्षमता भी कई गुना बढ़ जाएगी।

ब्रह्मोस मिसाइल की खरीद को लेकर रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी किए गए प्रस्ताव में 110 से अधिक एयर-लॉन्च ब्रह्मोस मिसाइलों को खरीदने की मंजूरी भी मिल गई है। इसका अनुमानित बजट लगभग 10,800 करोड़ है। इसके अलावा नौसेना के पुराने युद्धपोतों के लिए ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और वर्टिकल लॉन्चर की खरीद को भी मंजूरी दी गई है। इसकी लागत लगभग 650 करोड़ है। इससे पहले मार्च 2023 में भारत ने 220 ब्रह्मोस मिसाइलों के लिए 19,519 करोड़ का सौदा किया था। अब तक इस मिसाइल प्रणाली पर कुल 58,000 करोड़ से अधिक खर्च हो चुका है।ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस ने साथ मिलकर तैयार किया है। ये दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों से एक है। इसकी गति मैक 2.8 (ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना) है और यह 450 किलोमीटर तक सटीक निशाना साध सकती है। इसे थल, जल और वायु तीनों माध्यमों से लॉन्च किया जा सकता है। इसकी ये क्षमता इसे बहुआयामी बनाते हैं। हाल के समय में ब्रह्मोस मिसाइल भारत की डिफेंस रणनीति का केंद्र बिंदु भी रहा है। हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर में इस मिसाइल ने पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों, एयरबेस और आतंकी कैंपों पर सटीक हमले किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसकी सारहना करते हुए कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत की ताकत का प्रतीक है। ब्रह्मोस की खरीद केवल एक तकनीकी अपग्रेड नहीं है, बल्कि यह भारत की सुरक्षा नीति में एक निर्णायक मोड़ भी है। यह मिसाइल प्रणाली न केवल दुश्मन की गहराई में सटीक हमला करने की क्षमता देती है, बल्कि भारत को क्षेत्रीय सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित करने में भी मदद करती है। चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसियों के लिहाज से यह एक शक्तिशाली जवाबी हथियार है जो भारत की सीमाओं को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभा रहा है।ऑपरेशन सिंदूर में जिन हथियारों का प्रयोग किया गया, वे भारत की सटीक और बहुआयामी युद्ध क्षमता का प्रतीक बने। इस ऑपरेशन में सबसे प्रमुख भूमिका निभाने वाले ब्रह्मोस एयर-लॉन्च सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की खरीद के साथ ऑपरेशन में राफेल विमानों से लॉन्च होने वाले स्काल्ड क्रूज मिसाइल का भी उपयोग हुआ था। ये दुश्मन के भीतर गुप्त ठिकानों को नष्ट करने में सक्षम है। इसे भी अपग्रेड किया जाएगा। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर में लॉन्ग रेंज म्युनिशन यानि कामिकाजे ड्रोन का भी इस्तेमाल हुआ था। इसने दुश्मन के रडार और वायु रक्षा प्रणाली को भेदने का काम किया था। रक्षा परिषद ने माले ड्रोन की खरीद को मंजूरी देकर आधुनिक शस्त्रों की संख्या में इजाफा किया

है। इसके अलावा जिस आकाश मिसाइल प्रणाली का प्रयोग पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों को रोकने के लिए किया गया, उसके नए वर्जन की खरीद भी इस प्रस्ताव में शामिल है। एल-70 एंटी-एयरक्राफ्ट गन और जेडएसयू-23-4 शिल्का सिस्टम जैसे हथियारों ने ड्रोन हमलों को रोकने में अहम भूमिका निभाई थी। इन प्रणालियों के अपग्रेड को भी मंजूरी दी गई है। इन सभी हथियारों की खरीद और अपग्रेड से भारत ने ये साफ कर दिया है कि सरकार ऑपरेशन सिंदूर जैसी रणनीतिक कार्रवाइयों के लिए कमर कस चुका है और बेहतर तैयारी में है। यह न केवल सशस्त्र बलों की ताकत को बढ़ाता है, बल्कि भारत की सुरक्षा नीति को भी एक निर्णायक दिशा देता है।

भारत की सुरक्षा रणनीति में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है। खास तौर पर अगर चीन और पाकिस्तान से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों को देखा जाए तो ये रक्षा उपकरण आधुनिक होने के साथ बेहतर मारक और सुरक्षा प्रणाली से लैस होंगे। इस खरीद से भारतीय सेनाओं को आधुनिक हथियार तो मिलेंगे ही, पर साथ ही उनकी जवाबी कार्रवाई की क्षमता भी कई गुना बढ़ जाएगी।

भारत टैरिफ...

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। मैं जानता हूँ कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूँ। मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशु पालकों के लिए आज भारत तैयार है। अमेरिका से बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच पीएम मोदी का बयान यह दर्शाता है कि भारत अपने नागरिकों के हित की रक्षा के लिए कड़े फैसले उठा सकता है। अमेरिका की तरफ से भारी टैरिफ लगाए जाने को भारत ने अनुचित बताया है और कहा है कि इससे भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचेगा। ऐसे माहौल में पीएम मोदी का यह बयान किसानों के हितों को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।उद्धेखनीय है कि ट्रंप ने शुरूआत में भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। साथ ही अमेरिका की तरफ से रूस से तेल खरीदने के चलते भारत पर जुर्माना भी लगाया गया था। बाद में ट्रंप ने धमकी दी कि वह और टैरिफ बढ़ाने वाले हैं। बुधवार को उन्होंने 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क का ऐलान कर दिया। खास बात है कि दोनों ही मौकों पर भारत ने जवाब दिया है कि किसी भी तरह से भारत के आर्थिक हितों से समझौता नहीं किया जाएगा।

भारत ने भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाने के अमेरिका के कदम को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अविवेकपूर्ण करार दिया। नई दिल्ली की यह तीखी प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के कुछ देर बाद आई, जिसके तहत पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत के रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखने का हवाला देते हुए भारतीय वस्तुओं पर नया शुल्क लगाने की बात कही गई। ट्रंप द्वारा अतिरिक्त शुल्क लगाने संबंधी कार्यकारी आदेश जारी करने के कुछ ही देर बाद, भारत ने कहा कि वॉशिंगटन ने रूस से उसके तेल आयात को निशाना बनाया है और वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सब आवश्यक कार्रवाई करेगा। विदेश मंत्रालय ने रूस के साथ भारत के ऊर्जा संबंधों का बचाव करते हुए कहा कि आयात बाजार कारकों पर आधारित है और देश के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के समग्र उद्देश्य से किया जाता है।

भारत आएंगे रूस...

रिपोर्ट के मुताबिक, यह दौरा इसी साल होने की संभावना है और यह दौरा तब हो रहा है जब अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल खरीदने को लेकर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि भारत का रूस से तेल खरीदना यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद कर रहा है। इस वजह से भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में रूकावट आई है। फिर भी भारत ने रूस के साथ अपने रणनीतिक रिश्तों को और मजबूत करने का फैसला किया है।

सुप्रीम कोर्ट में...

इस अरम फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने ये भी माना कि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने इस मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जो पत्र भेजा, वह असंवैधानिक नहीं था।

मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने आंतरिक जांच पैनल की उस रिपोर्ट को अमान्य ठहराने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था, जिसमें उन्हें नकदी बरामदगी मामले में दोषी पाया गया था। जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी थी कि जांच समिति की रिपोर्ट और उसे राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री को भेजना असंवैधानिक है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को ठुकरा दिया।

यशवंत वर्मा के आवास से नकद राशि मिलने के बाद तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने एक आंतरिक जांच समिति बनाई थी। इस समिति ने जांच के बाद जस्टिस वर्मा को दोषी पाया और उनकी रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजी गई, ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आंतरिक जांच प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के अनुसार हुई। समिति की रिपोर्ट को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजना संविधान के खिलाफ नहीं है। पीठ ने ये भी कहा कि मुख्य न्यायाधीश सिर्फ नाम का पद नहीं होता, उनके पास देश और न्यायपालिका

की तरह काम नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में दो ट्रंक कहा कि जस्टिस वर्मा का व्यवहार न्यायपालिका की गरिमा के अनुरूप नहीं है और उनके खिलाफ की गई जांच और कार्रवाई सही थी। जांच समिति ने पाया था कि नोटों का जखीरा जिस स्टोर रूम में पाया गया था वह न्यायाधीश के आवास का हिस्सा था और उसमें उनकी या उनके परिवार की पूरी तरह से पहुंच थी। पैनल ने इस घटना को गंभीर मानते हुए अध्यक्षता में ट्रांसफर से बढ़कर कार्रवाई की सिफारिश की, और यह रिपोर्ट राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को भेजी गई।

बस खाई में गिरी...

हादसे में दो जवानों की मृत्यु हो गई। 15 जवान घायल हो गए। बस में 18 जवान सवार थे। बस जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में कदवा से बसंत गढ़ जा रही थी।

द बंगाल फाइल्स...

इसके बाद अग्रिहोत्री ने सोशल मीडिया में वीडियो जारी कर कहा है कि वो इस फिल्म का ट्रेलर बंगाल से ही जारी करेंगे।यह फिल्म 5 सितंबर को रिलीज होने वाली है। फिल्म के प्रमोशन के लिए अग्रिहोत्री इन दिनों अमेरिका में हैं। उन्होंने वीडियो में और भी कई खुलासे किए हैं। अमेरिका में अपनी फिल्म का प्रमोशन कर रहे विवेक अग्रिहोत्री ने वीडियो जारी कर बंगाल की ममता सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा, बंगाल के अलग-अलग शहरों में उनके खिलाफ कई एफआईआर दर्ज करवाई गई है। टीएमसी सरकार की रणनीति है कि फिल्म को किसी भी तरह कानूनी मामलों में उलझाया जाए, ताकि फिल्म का प्रमोशन नहीं किया जा सके। उन्होंने कहा कि कानूनी लड़ाई वो कोर्ट में ही सुलझाना चाहते थे। भारतीय न्याय व्यवस्था और कलकत्ता हाईकोर्ट पर पूरा विश्वास है और उन्होंने एफआईआर पर स्टे लगाकर न्याय किया। फिल्म निर्माता ने पूछा, हमारी आवाज वे क्यों दबाना चाहते हैं? आखिर बंगाल के इतिहास के काले पन्ने को वे क्यों छिपाना चाहते हैं? मुर्शिदाबाद के लोगों को उनका इतिहास पता होना चाहिए, आखिर लोगों के बीच सच क्यों नहीं आने देना चाहते हैं? वे फिल्म से डरते हैं या सच से। उन्होंने कहा, हम बंगाल में ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज करेंगे। मुझे कोई चुन नहीं कर सकता क्योंकि सच को छिपाया नहीं जा सकता।

फिल्म निर्माण को लेकर विवेक अग्रिहोत्री ने कहा कि बंगाल की पृष्ठभूमि में बनी द बंगाल फाइल्स की शूटिंग बंगाल में नहीं करने दी गई, कम संसाधनों के साथ पूरी फिल्म मुंबई में बनी। विवेक अग्रिहोत्री का कहना है, ये जनता की फिल्म है, आप मेरी ताकत हैं। सच के साथ हम फिलहाल अकेले हैं। द बंगाल फाइल्स की स्टोरी विवेक अग्रिहोत्री ने खुद लिखी है और फिल्म का निर्देशन किया है। इस फिल्म में पल्लवी जोशी, मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और दर्शन कुमार हैं। फिल्म रिलीज होने में बमुश्किल महीना बचा है। हाल ही में अमेरिका में इसका प्रीमियर भी हुआ।

यह फिल्म 1946 में अविभाजित बंगाल में हुई हिंदू नरसंहार को दर्शाती है। इसमें 1946 का डायरेक्ट एक्शन डे और 1946 का ही नोआखाली दंगा शामिल है। यह नरसंहार 5 दिनों तक चला था। कलकत्ता में ही सिर्फ 72 घंटों में करीब 6000 हिंदू मार दिए गए थे। इस मजहबी दंगे में करीब 20,000 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए। 100000 लोगों को अपना सब कुछ छोड़कर पलायन करना पड़ा। हिंदुओं को चुन-चुन कर मारा गया था। हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया और हिंदुओं की संपत्तियां लूटी गईं और जला दी गईं। पूर्वी बंगाल के नोआखाली में हिंदुओं का कत्लेआम इतिहास में काले अक्षरों में दर्ज है। यह कई महीनों तक चलता रहा। इस दौरान हजारों हिंदुओं की हत्या कर दी गई।

एक अनुमान के मुताबिक करीब 75 हजार हिंदुओं ने सिर्फ नोआखाली में घर-बार छोड़ा बल्कि टिप्परा से 20 हजार से ज्यादा लोग अपना सब कुछ छोड़ कर चले गए। फिल्म निर्माता विवेक अग्रिहोत्री ने बताया कि फिल्म हिंदुओं के नरसंहार पर आधारित है और इसमें उस इतिहास को दिखाया गया है, जिसको अब तक दबा कर रखा गया था। इस बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में हुई एफआईआर पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि 26 अगस्त तक फिल्म टीम के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। विवेक अग्रिहोत्री ने कहा कि फिल्म की जब सुनवाई हो रही थी, तो कई एफआईआर जानबूझ कर दर्ज किए गए ताकि फिल्म से जुड़े लोगों को कानूनी पचड़ों में फंसाया जा सके। फिल्म की रिलीज को रोका जा सके।

केंद्र की मंजूरी...

केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाण पत्र मिल चुका है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बताया कि प्रमाणन से पहले फिल्म में 55 बदलाव सुझाए गए थे, जिन्हें निर्माता ने लागू किया।

इसके अलावा फिल्म के कुछ सीन भी हटाए गए हैं। मंत्रालय ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए कहा कि सिनेमेटोग्राफ अधिनियम के तहत अब किसी अतिरिक्त हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इन्कार कर चुका है।





इस बार रक्षाबंधन पर नहीं है भद्रा का साया

रक्षाबंधन का त्योहार बहन-भाई के बीच प्रेम का प्रतीक है। इसमें बहन भाई को तिलक लगाकर उसके दीर्घायु की कामना करती है। भाई भी जीवन भर बहन के सुख-दुख में साथ निभाने का वादा करता है और स्नेह स्वरूप बहन को उपहार भी देता है। इस त्योहार को प्राचीन काल से मनाने की परंपरा चली आ रही है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि रक्षाबंधन अबकी बार शनिवार 9 अगस्त को है। रक्षाबंधन पर अक्सर ऐसा होता है कि भद्रा का अशुभ साया भाई-बहन के इस पवित्र त्योहार में खलल डाल देता है और त्योहार का मजा किरकिरा हो जाता है। खुशी की बात यह है कि इस बार भद्रा नहीं है और भाई-बहन पूरे आनंद और प्रेम सौहार्द के साथ इस त्योहार को मनाएंगे। रक्षाबंधन श्रावण मास की पूर्णिमा को होता है। इस दिन बहनें राखी के रूप में अपने भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बांधती हैं और भाई इसके बदले में बहनों को उनकी रक्षा करने का वचन देते हैं। रक्षाबंधन पर अबकी बार भद्रा का साया नहीं है। पिछले 2-3 साल से भद्रा के कारण राखी का मजा बेकार हो जा रहा था, पर इस बार ऐसा नहीं है। इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं है। दरअसल भद्रा श्रावण पूर्णिमा तिथि में लग रही है, लेकिन उसका समापन 9 अगस्त को सूर्योदय से पहले हो जा रहा है। इसलिए आप खुशीपूर्वक रक्षाबंधन का त्योहार मनाएं।

नहीं रहेगा भद्रा का साया

रक्षाबंधन के दौरान भद्रा काल पूर्णिमा तिथि के साथ शुरू होगा। यानी 08 अगस्त 2025 को दोपहर 02:12 बजे से। यह समय रक्षाबंधन से एक दिन पहले है। भद्रा काल की समाप्ति 08 अगस्त 2025 को मध्य रात्रि 01:52 बजे होगी। इसका मतलब है कि रक्षाबंधन के दिन भद्रा सूर्योदय से पहले खत्म हो जाएगा और 9 अगस्त को दोपहर 1:24 मिनट तक बहनें बिना चिंता के राखी बांध सकती हैं।

रक्षाबंधन तिथि

रक्षाबंधन 9 अगस्त को मनाया जाएगा। सावन के महीने के आखिरी दिन यानी के श्रावण पूर्णिमा को रक्षाबंधन मनाया जाता है। अबकी बार श्रावण पूर्णिमा 8 अगस्त शुक्रवार को दोपहर 2:12 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन 9 अगस्त को दोपहर 1:21 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि की मान्यता के अनुसार रक्षाबंधन शनिवार 9 अगस्त को मनाया जाएगा। शनिवार, 09 अगस्त 2025 को भद्रा नहीं है, अतः पूरा दिन शुद्ध है। रक्षाबन्धन पर्व श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को भद्रा रहित तीन मुहूर्त या उससे अधिक व्यापिनी पूर्णिमा को अपराह्न काल व प्रदोष काल में मनाया जाता है। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा, 09 अगस्त 2025 को रक्षाबन्धन है। इस दिन पूर्णिमा तिथि दोपहर 01:24 तक है। इस वर्ष रक्षाबंधन पर्व पर भद्रा का साया नहीं होगा। पूर्णिमायां भद्रारहितायां त्रिमुहूर्ताधिकोदय व्यापिन्यामपराह्न प्रदोष वा कार्यम् - धर्मसिन्धु।

रक्षाबंधन के दिन सुबह-सुबह यह उपाय करने से जीवन में भाई-बहन को मिलेगी तरक्की

रक्षाबंधन का त्योहार भाई और बहन के लिए विशेष होता है। इस दिन हर बहन अपने भाई के कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती है और उनके जीवन में सुख-समृद्धि बने रहने की कामना करती है। वहीं, रक्षाबंधन पर भगवानों को राखी बांधने का भी विशेष महत्व होता है। अगर आप राखी बांधने के साथ-साथ इस खास अवसर पर सुबह के समय कुछ आसान उपाय कर लें, तो इससे भाई और बहन के जीवन में खुशहाली आ सकती है। साथ ही, जीवन में तरक्की, धन और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

आर्थिक स्थिति मजबूत करने और धन में वृद्धि का उपाय

रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधने से पहले सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करना चाहिए। इसके बाद, भगवान की विधि-पूर्वक पूजा करें और आरती की थाली में सभी राखी रखें। साथ ही, उसमें एक चांदी का सिक्का भी रख लें। अगर ऐसा संभव न हो तो आप एक रुपये का सिक्का भी रख सकती हैं। अब भगवान गणेश को राखी जरूर बांधें और सिक्के को मंदिर में रख दें। अगले दिन मंदिर में पूजा करके सिक्का को उठकर लाल कपड़े में बांधकर अपनी तिजोरी में रख लें। इससे जीवन से पैसों की समस्या दूर हो सकती है और धन में वृद्धि होती है।

जीवन में तरक्की प्राप्त करने का उपाय

माना जाता है कि रक्षाबंधन पर सबसे पहले भगवान शिव का अभिषेक जरूर करना चाहिए। इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। इसके लिए आप दूध, दही, शहद, घी और शक्कर से

महादेव का अभिषेक कर सकते हैं। इसके बाद, विधि-विधान से पूजा करके शिवजी को राखी भी जरूर बांधें। इस उपाय को करने से जातक को जीवन में तरक्की प्राप्त हो सकती है और भाई-बहनों के जीवन से हर प्रकार के कष्ट भी दूर होने लगते हैं।

जीवन में सुख-शांति और समृद्धि के लिए करें यह उपाय

इसके लिए रक्षाबंधन के दिन सुबह उठकर स्नानादि करने के बाद साफ वस्त्र धारण करें और माता लक्ष्मी व गणेश जी की विधि पूर्वक पूजा करें। साथ ही, 108 बार 'ओम श्री ह्रीं श्री महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जाप करें। साथ ही, 'ओम गण गणपतये नमः' मंत्र का भी 108 बार जाप करें। इस उपाय को करने से जातक को घर की समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है और जीवन में सुख-शांति व समृद्धि बनी रहती है। इस उपाय को करने से माता लक्ष्मी की विशेष कृपा भी प्राप्त होती है।

परिवार की रक्षा के लिए करें यह उपाय

रक्षाबंधन पर भाई-बहन और परिवार की रक्षा के लिए एक रेशमी वस्त्र में सरसों, केसर, सोना या एक रुपये का सिक्का, चंदन, अक्षत और दूर्वा बांध लपेट लें। अब कपड़े को रंगीन धागे या कलावे की मदद से बांध के अपने घर के किसी पवित्र स्थान जैसे मंदिर में रख दें। इसके लिए आप कलश की स्थापना करके उस पर पोतली को रख सकते हैं। इसके बाद, विधि-विधान से पूजा करें। इस उपाय को करने से परिवार में खुशियां बनी रहती हैं।

रक्षाबंधन पर ना करें यह गलतियां

राहुकाल में राखी बांधना

शास्त्रों में राहुकाल को अशुभ समय माना गया है, इस दौरान कोई भी शुभ कार्य टालने की सलाह दी जाती है। 9 अगस्त को राहुकाल सुबह 09 बजे से 10.30 बजे तक रहेगा। इस दौरान राखी बांधना उचित नहीं माना गया है। इसलिए शुभ मुहूर्त में से इस डेढ़ घंटे को छोड़ देना चाहिए।

बिना स्नान और पूजा के राखी बांधना

सुबह स्नान करके पहले पूजा करें, भगवान को राखी बांधें और भोग अर्पित करें और फिर भाई को राखी बांधें। सीधे भाई को राखी बांधना अनुचित है।

पूजा की थाली अधूरी रखना

थाली में दीपक, रोली, अक्षत, मिठाई, राखी और कुछ जल या चंदन जरूर होना चाहिए। बिना इन सामग्रियों के पूजा अधूरी मानी जाती है। यह सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली संस्कार है।

दिशा का ध्यान न रखना

राखी बांधते समय भाई को उत्तर या पूर्व

दिशा की ओर बिठाएं। दक्षिण दिशा की ओर मुंह करना वर्जित है। वास्तु और धर्मशास्त्र दोनों मानते हैं कि पूजा के समय मुख पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए। इससे ऊर्जा का प्रवाह सकारात्मक होता है और पूजा का फल पूर्ण मिलता है।

काले रंग की राखी बांधना

काले कपड़े पहनना

धार्मिक कार्यों में काला रंग निषिद्ध माना गया है।

रक्षाबंधन के दिन भाई-बहन दोनों को हल्के और शुभ रंग जैसे पीला, नारंगी या सफेद पहनना चाहिए।

खाली हाथ राखी बांधना

राखी के साथ मिठाई या कुछ उपहार जरूर दें। शास्त्रों में इसे 'पूर्ति' कहा गया है जिससे रक्षा सूत्र का प्रभाव पूर्ण होता है।

इस बार रक्षाबंधन का त्योहार बेहद शुभ योग में पड़ रहा है। भद्रा नहीं है और मुहूर्त भी प्रातःकाल से दोपहर तक खुला है। बस राहुकाल से बचते हुए, विधिपूर्वक राखी बांधें और भाई-बहन के इस रिश्ते को स्नेह और आशीर्वाद से मजबूत करें।

राशि के अनुसार बांधे राखी

मेष : लाल रंग की राखी

मेष राशि के जातकों का स्वामी ग्रह मंगल है, जो लाल रंग का प्रतिनिधित्व करता है। इस राशि के भाई के लिए लाल रंग की राखी सबसे शुभ होगी। यह रंग उनके जीवन में ऊर्जा, उत्साह और साहस को बढ़ाएगा।

वृषभ : सफेद या सिल्वर रंग की राखी

वृषभ राशि के स्वामी शुक्र हैं। इस राशि के भाई को सफेद या सिल्वर रंग की राखी बांधना बहुत अच्छा माना जाता है। यह रंग उनके जीवन में शांति, सुख और समृद्धि लाएगा।

मिथुन : हरा रंग की राखी

मिथुन राशि का स्वामी ग्रह बुध है। इस राशि के भाई के लिए हरे रंग की राखी शुभ मानी जाती है। यह रंग उनके बुद्धि और व्यापार में सफलता को बढ़ावा देगा।

कर्क राशि : सफेद या पीला रंग की राखी

कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा हैं। इस राशि के भाई को सफेद या पीली राखी बांधनी चाहिए। यह रंग उनके मन को शांत रखेगा और मानसिक तनाव दूर करेगा।

सिंह : नारंगी या गोल्डन रंग की राखी

सिंह राशि का स्वामी सूर्य है। इस राशि के भाई के लिए नारंगी या गोल्डन रंग की राखी सबसे शुभ रहेगी। यह रंग उनके आत्मविश्वास और मान-सम्मान में वृद्धि करेगा।

कन्या : हरा रंग की राखी

कन्या राशि का स्वामी भी बुध है। मिथुन की तरह ही इस राशि के भाई को भी हरे रंग की राखी बांधनी चाहिए। यह उनके जीवन

में संतुलन और सकारात्मकता लाएगी।

तुला : सफेद या हल्का नीला रंग की राखी तुला राशि के स्वामी शुक्र हैं। इस राशि के भाई को सफेद या हल्के नीले रंग की राखी बांधना शुभ होगा। यह रंग उनके जीवन में प्यार और सद्भाव बढ़ाएगा।

वृश्चिक : लाल या मैरून रंग की राखी

वृश्चिक राशि के स्वामी मंगल हैं। इस राशि के भाई के लिए लाल या मैरून रंग की राखी बहुत भाग्यशाली मानी जाती है। यह रंग उनके जीवन में शक्ति और सफलता लाएगा।

धनु : पीला रंग की राखी

धनु राशि के स्वामी गुरु बृहस्पति हैं। इस राशि के भाई को पीले रंग की राखी बांधना बहुत शुभ माना जाता है। यह रंग उनके लिए ज्ञान, शिक्षा और धन में वृद्धि करेगा।

मकर : नीला रंग की राखी

मकर राशि के स्वामी शनि देव हैं। इस राशि के भाई को नीले रंग की राखी बांधनी चाहिए। यह रंग उन्हें जीवन में सफलता और स्थिरता प्रदान करेगा।

कुंभ : नीला या बैंगनी रंग की राखी

कुंभ राशि के स्वामी भी शनि देव हैं। इस राशि के भाई के लिए नीले या बैंगनी रंग की राखी शुभ रहेगी। यह उनके जीवन में उन्नति और धन-वैभव लाएगी।

मीन : पीला या सुनहरा रंग की राखी

मीन राशि के स्वामी गुरु बृहस्पति हैं। इस राशि के भाई को पीले या सुनहरे रंग की राखी बांधनी चाहिए। यह रंग उनके जीवन में सौभाग्य और खुशियां लेकर आएगा।

बहन-भाई के अलावा और किस-किस को बांधी जा सकती है राखी?

रक्षाबंधन, भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक, भारतीय संस्कृति में एक महत्वपूर्ण त्योहार है। सदियों से यह परंपरा चली आ रही है कि बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और खुशहाली की कामना करती हैं, और भाई अपनी बहनों की रक्षा का वचन देते हैं। शास्त्रों में रक्षाबंधन के त्योहार को लेकर क्या कहा गया है?

भगवान को राखी बांधने की परंपरा

राखी बांधने का सबसे पहला अधिकार ईश्वर को माना गया है। कई बहनें सबसे पहले भगवान कृष्ण, शिव या गणेश को राखी बांधती हैं और फिर अपने भाई को। यह आस्था की अभिव्यक्ति है कि भगवान पहले रक्षक हैं।

बहनें बहनों को भी बांधती हैं राखी

यदि किसी स्त्री का भाई न हो या वह बहनों के साथ ही पली-बढ़ी हो, तो वह अपनी बड़ी बहन को राखी बांध सकती है। यह बहनत्व, प्रेम और साथ निभाने का प्रतीक होता है।

गुरु या शिक्षक को राखी

भारतीय संस्कृति में गुरु को भगवान के समान

माना गया है। शिष्य यदि अपने गुरु को राखी बांधता है तो वह यह संकेत देता है कि वह गुरु की रक्षा, सेवा और सम्मान का वचन देता है।

पुजारी, साधु-संतों को राखी

कई स्थानों पर महिलाएं साधु-संतों या मंदिर के पुजारियों को राखी बांधती हैं। यह धार्मिक विश्वास और आध्यात्मिक संबंध को दर्शाता है। यह परंपरा विशेषकर वृंदावन, मथुरा और हरिद्वार जैसे तीर्थ स्थलों में देखने को मिलती है।

रक्षासूत्र के रूप में सैनिकों को राखी

रक्षाबंधन के अवसर पर बहनें भारतीय सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को राखी भेजती हैं या स्वयं जाकर बांधती हैं। यह समाज की रक्षा करने वाले रक्षक के प्रति श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है।

पेड़ों को राखी बांधना

पर्यावरण संरक्षण की भावना को बढ़ावा देने के लिए कई लोग वृक्षों को राखी बांधते हैं। यह संकल्प होता है कि हम पेड़ों की रक्षा करेंगे और पर्यावरण को सुरक्षित रखेंगे।



बहनें नौ ग्रहों से मांगती है भाइयों की खुशहाली

रक्षाबंधन पर अपने भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए बहनें पूजा की थाली सजाती हैं। इस पूजा की थाली में बहन नौ ग्रहों की सामग्री द्वारा भाई की खुशहाली मांगती है। नौ ग्रहों से यह प्रार्थना करती है कि उसके भाई को अन्न धन लक्ष्मी के साथ दीर्घायु और शुभ फल देना।

नौ ग्रह और पूजा की थाली

इस दिन सभी बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने से पहले एक विशेष थाली सजाती हैं। पूजा की थाली में रखनी चाहिए यह खास 7 चीजें अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। रक्षाबंधन पर अपने भाई की कलाई पर राखी



बांधने के लिए बहनें पूजा की थाली सजाती हैं। इस पूजा की थाली में बहन नौ ग्रहों की सामग्री द्वारा भाई की खुशहाली मांगती है। नौ ग्रहों से यह प्रार्थना करती है कि उसके भाई को अन्न धन लक्ष्मी के साथ दीर्घायु और शुभ फल देना।

कुमकुम - बहन भाई को कुमकुम का तिलक लगाती है जो सूर्य ग्रह से मिलता है और दुआ करती है कि आने वाले साल में भाई को हर प्रकार का यश और ख्याति प्राप्त हो।

चावल-अक्षत - पूजा में चावल को सबसे शुभ माना जाता है। बहन भाई को कुमकुम के तिलक के ऊपर चावल लगाती है जो कि शुक्र ग्रह से मिलता है और दुआएँ करती है कि ध्येरे भाई के जीवन में हर तरह की शुभता आए और मेरा मेरे भाई से हमेशा प्रेम बना रहे।

नारियल - इसको पूजा में श्रीफल कहा जाता है। यह राहु ग्रह से मिलता है। बहन जब भाई को श्रीफल देती है तो इसका अर्थ है कि आने वाले वर्ष में भाई को सभी प्रकार के सुख सुविधा के मिले।

रक्षा सूत्र राखी - रक्षासूत्र हमेशा दाएँ हाथ की कलाई पर बांधा जाता है। यह मंगल ग्रह से मिलता है जो कहता है कि बहन की दुआएँ हैं कि उसके भाई सभी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष मुश्किलों से उसकी रक्षा करें।

मिठाई - बहन भाई को मिठाई खिलाती है जो कि गुरु ग्रह से मिलता है और दुआ करती है कि उसके भाई पर लक्ष्मी की कृपा रहे। भाई के संतान और वैवाहिक जीवन भी सुखद रहे। भाई के घर में सभी कार्य निर्विघ्न पूरे हों।

दीपक - फिर बहन भाई की दीपक से आरती करती है जो शनि और केतु ग्रह से मिलता है और दुआएँ करती है कि मेरे भाई के जीवन में आने वाले रोग और कष्ट सभी दूर हों।

जल से भरा कलश - फिर जल से भरे कलश से भाई की पूजा करें जो कि चंद्रमा से मिलता है जिसमें बहन दुआएँ करती है कि मेरे भाई के जीवन में मानसिक शांति हमेशा बनी रहे।

उपहार - ऊपर की इन 7 चीजों में बहन की दुआओं के साथ आपके 8 ग्रह शुभ होते हैं। अब रहा नवौं ग्रह बुध।

बुध ग्रह को बहन का कारक ग्रह माना गया है। अब आप जो बहन को उपहार देंगे उससे आपका बुध ग्रह शुभ होकर फल देगा। कहते हैं बुध ग्रह जो आपके व्यापार से मिलता है अगर आपकी बहन या भाई की दुआएँ मिल जाएं तो आपके व्यापार में वृद्धि कर देता है। इसलिए हमेशा अपनी बहन को गिफ्ट देकर उनकी दुआएँ लेते रहें।

भूलकर भी ना दें गिफ्ट में यह पांच वस्तुएं



बहन को न दें एल्युमिनियम की वस्तु

रक्षाबंधन के दिन भाई को अपने बहनों को एल्युमिनियम से संबंधित वस्तुएं नहीं देनी चाहिए। क्योंकि, एल्युमिनियम को राहु से संबंधित माना जाता है। ऐसे में राहु का बुरा प्रभाव आपके रिश्ते को प्रभावित कर सकता है।

बहन को न दें चमड़े की वस्तु

रक्षाबंधन पर अगर आप अपने बहन को चमड़े से जुड़ी वस्तुएं गिफ्ट में नहीं देनी चाहिए। जैसे चमड़े की का बैग आदि। क्योंकि, चमड़े को नकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बन सकता है। साथ ही चमड़े को पवित्र भी नहीं माना जाता है। ऐसे में भाई बहनों के

रिश्तों में भी नकारात्मक आती है।

बहन को न दें धारदार वस्तुएं

रक्षाबंधन के पवित्र मौके पर भाई भूलकर भी बहनों को धारदार वस्तुएं जैसे चाकू सेट आदि गिफ्ट में न दें क्योंकि, अगर आप इन्हें अपहार में देते हैं तो आपके रिश्तों में नकारात्मकता और दार आ सकती है। साथ ही आपकी बहन को आर्थिक परेशानियों को भी सामना करना पड़ सकता है।

इस बार शनि से संबंधित चीजें न दें

लोहे से जुड़ी वस्तुएं भी अपनी बहन को रक्षाबंधन के मौके पर उपहार के रूप में न दें क्योंकि, इस बार रक्षाबंधन का पर्व शनिवार के दिन है। ऐसे में शनिवार के दिन लोहे का सामान देने से शनि भारी हो सकता है। इसलिए शनि से संबंधित चीजें उपहार में इस बार बहनों को न दें।

रुमाल को उपहार में न दे

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, किसी को भी उपहार में रुमाल नहीं देना चाहिए। क्योंकि, ऐसा करने से रिश्तों में खटास आ सकती है। इसलिए अपनी बहन को भूलकर भी रक्षाबंधन पर रुमाल आदि चीजें उपहार में न दें।

किशोर कुमार की पोती वृंदा गांगुली ने चुनी अनोखी राह

बॉ लीवुड में जब भी किसी स्टार किड का नाम सामने आता है, तो ज़हन में सबसे पहले यही आता है कि वह भी अपने परिवार की चमकदार विरासत को आगे बढ़ाएगा। खासकर जब बात किशोर कुमार जैसे दिग्गज कलाकार की हो, जिन्होंने सिंगिंग और एक्टिंग दोनों में बेहतरीन काम किया हो। लेकिन उनकी पोती वृंदा गांगुली ने इस परंपरा को तोड़ते हुए एक बिल्कुल अलग रास्ता चुना और अपनी एक नई पहचान बनाई। वृंदा गांगुली, किशोर कुमार के बेटे और मशहूर गायक अमित कुमार की बेटी हैं। अमित कुमार ने अपने पिता की तरह गायकी में नाम कमाया और लंबे समय तक बॉलीवुड में सक्रिय रहे। लेकिन वृंदा ने इस ग्लैमरस दुनिया से खुद को अलग कर लिया। दिलचस्प बात यह है कि वृंदा ने एक्टिंग की बाकायदा ट्रेनिंग ली थी। उन्होंने बेरी जॉन एक्टिंग स्कूल से अभिनय सीखा, जहां से शाहरुख खान जैसे सितारे भी निकले हैं। यानी एक वक्त पर वह शाहरुख खान की जूनियर भी रही हैं। इसके बावजूद उन्होंने फिल्मों में करियर बनाने का कभी मन नहीं बनाया। साल 2017 वृंदा के जीवन में एक बड़ा मोड़ लेकर आया। उसी साल उन्होंने तय किया कि वो एक्टिंग या सिंगिंग की दुनिया में नहीं, बल्कि आध्यात्म और

आत्मिक ज्ञान की राह पर चलेंगी। उन्होंने टैरो कार्ड रीडिंग, हीलिंग और स्प्रिचुअल गाइडेंस को अपना करियर बना लिया। वृंदा आज एक जानी-मानी टैरो कार्ड रीडर हैं और लोगों को रिश्तों, करियर, आर्थिक फैसलों और जीवन के उद्देश्य में मार्गदर्शन देती हैं। वृंदा गांगुली का एक यूट्यूब चैनल है, तीळपैश्रीव्लिप। यहां वह टैरो रीडिंग और स्प्रिचुअल वीडियोज़ पोस्ट करती हैं। दर्शकों को आत्म-खोज, मेडिटेशन और पॉजिटिविटी की ओर ले जाने वाली बातें साझा करती हैं। चैनल के साथ-साथ वह फेसबुक और इंस्टाग्राम पर भी एक्टिव रहती हैं। हालांकि उनका पर्सनल इंस्टाग्राम अकाउंट प्राइवेट है, लेकिन प्रोफेशनल अकाउंट से वह लोगों को टैरो की दुनिया से जुड़ी जानकारी देती हैं। उनके बायो में साफ लिखा है, मैं टैरो कार्ड रीडिंग के ज़रिए आपको जीवन का रास्ता दिखाऊंगी। वृंदा की खूबसूरती भी अक्सर लोगों का ध्यान खींचती है। सोशल मीडिया पर जब उनकी तस्वीरें सामने आती हैं, तो लोग उनकी तुलना हीरोइनों से करने लगते हैं। उनके चेहरे पर आत्मविश्वास और शांति की झलक साफ दिखाई देती है।

हालांकि वृंदा ने फिल्मी करियर नहीं चुना, लेकिन वो अपने परिवार के बेहद करीब हैं। खासकर अपने पिता अमित कुमार के साथ उनकी बॉन्डिंग काफी खास है। अक्सर सोशल मीडिया पर दोनों की तस्वीरें देखी जा सकती हैं। जहां वृंदा ने आध्यात्मिक जीवन चुना, वहीं उनकी छोटी बहन मुक्तिका ने संगीत को ही अपना करियर बनाया है और अपने दादा और पिता की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं।



वॉर 2 बनेगी वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सबसे बड़ी फिल्म

जानें क्यों है इतनी खास

भा रतीय सिनेमा में जासूसी और एक्शन की कहानियों ने हमेशा दर्शकों को रोमांचित किया है। यशराज फिल्म का स्पाई यूनिवर्स भी इसी कड़ी में बार-बार दर्शकों को नई ऊंचाइयां दिखाता आया है। पठान, टाइगर जिंदा है और टाइगर 3 जैसी फिल्मों के बाद अब निर्माता लेकर आ रहे हैं बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2, जो न सिर्फ अपने भव्य पैमाने के कारण चर्चा में है, बल्कि अपने रिकॉर्डतोड़ रनटाइम और दमदार स्टारकास्ट के कारण भी सुर्खियां बटोर रही है।

आनंद मुखर्जी के निर्देशन में बनी वॉर 2 को हाल ही में सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) ने UA सर्टिफिकेट प्रदान किया है। फिल्म की लंबाई 2 घंटे 53 मिनट यानी 173 मिनट तय की गई है, जो यशराज स्पाई यूनिवर्स की अब तक की सबसे लंबी फिल्म है। इससे पहले एक था टाइगर (132 मिनट), टाइगर जिंदा है (161 मिनट), वॉर (154 मिनट), पठान (146 मिनट) और टाइगर 3 (156 मिनट) ने दर्शकों को अपने रोमांचक अनुभव से बांधे रखा था।

इस बार फिल्म के मेकर्स का दावा है कि दर्शकों को लाभग तीन घंटे तक स्क्रीन से नज़रें हटाने का मौका नहीं मिलेगा। खास बात यह है कि फिल्म के अंत में एक एक्सक्लूसिव पोस्ट क्रेडिट सीन भी जोड़ा गया है, जो कहानी को स्पाई यूनिवर्स के अगले चरण तक ले जाएगा। फिल्म में ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर पहली

बार एक साथ नजर आएंगे। ऋतिक की एंटी को लेकर खास तैयारियां की गई हैं, जबकि एनटीआर जूनियर का समुद्री डाकुओं पर आधारित एक्शन सीकेंस पहले ही चर्चा में है। फिल्म में किशारा आडवाणी का किरदार भी कहानी को नई दिशा देने वाला है। मेकर्स के अनुसार, फिल्म में छह बड़े एक्शन सीकेंस होंगे, जिन्हें इंटरनेशनल स्टंट टीम ने डिजाइन किया है। यह सीकेंस न केवल तकनीकी रूप से बेहतरीन होंगे बल्कि भावनात्मक रूप से भी दर्शकों को बांधे रखेंगे।

CBFC ने फिल्म को बिना किसी बड़े बदलाव के पास किया है और इसकी देशभक्ति से जुड़ी थीम की तारीफ की है। फिल्म का संदेश इंडिया फर्स्ट है, जो स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज़ होने वाली इस फिल्म को और भी खास बना देता है। 14 अगस्त 2025 को रिलीज़ होने वाली वॉर 2 स्वतंत्रता दिवस वीकेंड पर दर्शकों को थिएटर तक खींचने के लिए पूरी तरह तैयार है। भव्य लोकेशंस, शानदार एक्शन, दमदार म्यूजिक और स्टारकास्ट के बेहतरीन परफॉर्मेंस के साथ वॉर 2 सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक सिनेमाई अनुभव बनने जा रही है। यह फिल्म यशराज स्पाई यूनिवर्स के लिए नए मानक तय कर सकती है और भारतीय एक्शन सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिला सकती है।



सन ऑफ सरदार 2 के बाद अब तेहरान में धमाल मचाएंगी नीरू बाजवा, बोलीं- यह फिल्म बेहद खास

पं जाबी सिनेमा की क्वीन नीरू बाजवा ने हाल ही में रिलीज़ हुई हिंदी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की पत्नी का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता। अब वह एक और हिंदी फिल्म 'तेहरान' में जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर के साथ नजर आएंगी।

यह फिल्म 14 अगस्त को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज़ होगी। नीरू के प्रशंसकों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है, क्योंकि वह एक के बाद एक हिंदी फिल्मों में अपनी छाप छोड़ रही हैं। नीरू ने 'तेहरान' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए बताया कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में भी हिंट दिया। नीरू ने अपने किरदार को मजबूत और नैतिकता से भरा हुआ बताया, जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहता है। उन्होंने कहा, लगातार

हिंदी फिल्मों में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव है। 'सन ऑफ सरदार 2' एक कामेडी फिल्म थी, जबकि 'तेहरान' में मेरा किरदार गंभीर, भावनात्मक और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाला है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताना जरूरी है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

नीरू अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करती नजर आईं। उन्होंने कहा, जॉन के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। वह एक ड्रीम को-एक्टर हैं, जो अपने किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाते हैं। उनके साथ काम करने से मेरा प्रदर्शन भी बेहतर हुआ। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें एक साथ पढ़ें पर देखना पसंद करेंगे। 'तेहरान' एक जियो-पॉलिटिकल फिल्म



है, जो साल 2012 में दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास हुए बम विस्फोट से प्रेरित है।

फिल्म में जॉन अब्राहम एसीपी राजीव कुमार की भूमिका में हैं, जो एक गुप्त ऑपरेशन में शामिल होता है। यह कहानी न केवल एक्शन और ड्रामा से भरपूर है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति और नैतिक दुविधाओं को भी उजागर करती है। 'तेहरान' का निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है और इसे मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में नीरू बाजवा और जॉन अब्राहम के साथ मानुषी छिल्लर और मधुरिमा तुली भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। 'तेहरान' स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जी5 पर स्ट्रीम होगी।

तमन्ना भाटिया ने बताया, एडल्ट फ्रेंडशिप क्यों सबसे अच्छी होती है

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने बताया कि जहां सब स्कूल और कॉलेज के दोस्तों की बात करते हैं, वहीं उनके हिसाब से बड़ों की दोस्ती (एडल्ट फ्रेंडशिप) सबसे अच्छी होती है। तमन्ना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए एडल्ट फ्रेंडशिप के फायदे बताए। इस वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना गया, आप जानते हैं, बड़ों की दोस्ती सबसे अच्छी होती है। यह ऐसा है जैसे मैं जिस भी दोस्त से बात करती हूँ, हमारी हर कॉल आई लव यू के साथ समाप्त होती है। हर फोन कॉल इस बारे में होती है कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं, और यह एक गलत धारणा है कि आप अपने सबसे अच्छे दोस्तों से स्कूल और कॉलेज में मिलते हैं। मुझे लगता है कि एडल्ट फ्रेंडशिप सबसे अच्छी होती है। इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए तमन्ना की करीबी दोस्तों में से



एक राशा थडानी ने कमेंट सेक्शन में टिप्पणी की, उन्होंने लिखा, मैं तुमसे प्यार करती हूँ, तुम मुझे रूला दोगी। काजल अग्रवाल ने लिखा, ओह, मैं तुमसे प्यार करती हूँ! हेप्पी फ्रेंडशिप डे, मेरी प्यारे तमन्ना! मृणाल ठाकुर ने लिखा, ओह, मुझे रोना आ रहा है। मृणाल ने तमन्ना की पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर एक भावुक संदेश के साथ रीशेयर भी किया।

बाहुबली अभिनेत्री पर प्यार बरसाते हुए उन्होंने लिखा, जिंदगी व्यस्त और अस्त-व्यस्त हो सकती है, लेकिन आप जैसे दोस्तों के साथ सब कुछ अच्छा लगता है। आप मेरे जीवन में ढेर सारी खुशियां और प्यार लेकर आती हैं और मैं हमेशा आपकी आभारी रहूंगी। लव यू! अभिनेत्री तमन्ना वर्तमान में अपनी अगली फिल्म वन: फोर्स ऑफ द फॉरिस्ट में व्यस्त हैं, जहां वह पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। इस फिल्म के मनोरंजक टीजर में तमन्ना को पौराणिक कथाओं और रहस्यवाद की दुनिया में कदम रखते हुए दिखाया गया है। वह नंगे पैर किसी नुकीली चीज़ पर कदम रखती हुई दिखाई देती हैं, वह हिचकती हैं लेकिन फिर भी नहीं रुकतीं।



120 बहादुर का टीजर हुआ रिलीज़, मेजर शैतान सिंह के किरदार में नजर आए फरहान अख्तर

भा रतीय इतिहास में कुछ लड़ाइयां सिर्फ युद्ध नहीं होतीं, बल्कि वीरता, साहस और बलिदान के ऐसे अमर अध्याय बन जाती हैं, जिन्हें पीढ़ियां याद रखती हैं। 1962 के भारत-चीन युद्ध में लड़ी गई रेज़ांग ला की लड़ाई ऐसी ही एक कहानी है। अब इसी सच्ची घटना से प्रेरित फिल्म 120 बहादुर का टीजर रिलीज़ हो चुका है, जिसने दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए हैं। टीजर में गूजती है एक पंक्ति - हम पीछे नहीं हटेंगे! यह सिर्फ एक डायलॉग नहीं, बल्कि उन 120 वीर जवानों की अडिग भावना है, जिन्होंने हजारों दुश्मनों का सामना करते हुए अपने आखिरी दम तक मोर्चा संभाला। फिल्म के मेकर्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से टीज़र शेयर करते हुए लिखा, ये वीर सिर्फ हिम्मत नहीं, बलिदान भी मांगती है! एक सच्ची कहानी पर आधारित यह जंग बर्फ में लड़ी गई और बलिदान से सील की गई।

इस घोषणा के साथ ही फिल्म के प्रति दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। टीजर के विजुअल्स में लद्दाख की बर्फाली चोटियों पर सैनिकों की जंग, उनकी ठंडी हवाओं के बीच भी जलती हुई ज्वाला और मातृभूमि के लिए अडिग संकल्प साफ झलकता है। फिल्म में मेजर शैतान सिंह के किरदार में फरहान अख्तर नजर आ रहे हैं। उनकी गहन और सधी हुई अदाकारी ने टीजर में ही गहरी छाप छोड़ दी है। फरहान का यह ट्रांसफॉर्मेशन फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। बिना जरूरत से ज्यादा डायलॉग बोले केवल

उनकी आंखों का भाव और साइलेंट कमांड ही मेजर शैतान सिंह की वीरता को पढ़ें पर जीवंत कर देता है। यह भूमिका न केवल फरहान के करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक लग रही है, बल्कि यह उनके अभिनय के नए आयाम को भी दर्शाती है।

फिल्म की शूटिंग लद्दाख, राजस्थान और मुंबई के लोकेशन्स पर की गई है। बर्फाली जमीन, कठिन मौसम और युद्ध के बीच पसरा सन्नाटा, निर्देशक रजनीश रेजी घई ने हर फ्रेम को बारीकी से रचा है। उनकी मेहनत से तैयार किए गए युद्ध के दृश्य न केवल वास्तविक लगते हैं बल्कि यह दर्शकों को उस दौर में ले जाते हैं जब 120 सैनिकों ने अपने अदृश्य साहस से इतिहास रचा था। फिल्म के प्रोड्यूसर्स रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़) ने इसे एक ऐसे पैमाने पर बनाया है जो भारतीय युद्ध फिल्मों के स्तर को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। 120 बहादुर सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक अनुभव है। यह हमें याद दिलाती है कि आज़ादी और सरहद की सुरक्षा केवल नारों से नहीं मिलती, बल्कि उसके पीछे उन गुमनाम नायकों का खून-पसीना और बलिदान होता है जिनकी कहानियां शायद ही कभी सुर्खियों में आती हैं। फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी और ऐसा माना जा रहा है कि यह सिर्फ एक युद्ध फिल्म नहीं बल्कि एक ऐसा सिनेमाई सफर होगा जो हर भारतीय को गर्व से भर देगा।

पं.चिदम्बर मिश्र (टिळू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान,
भागवत कथा एवं मूल पारायण,
वास्तुशान्ति, गृहपूजन, शतवर्षी, विवाह,
कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष
सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फकड़ का मन्दिर, रिकारबंज
हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 98866165126
er011@gmail.com

तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग के नोटिस पर कसा तंज

गलती किसी और की, फिर भी जवाब मुझसे मांगा जा रहा

पटना (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव आज गुरुवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह दिल्ली में होने वाली इंडिया गठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक में हिस्सा लेने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में इंडिया गठबंधन की एक अहम बैठक है, जिसमें मैं शामिल होऊंगा। इसके अलावा रक्षाबंधन भी है और मेरी बहन दिल्ली में रहती है, तो उससे मिलने भी जा रहा हूं।

तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग



की तरफ से मिलने वाले नोटिस पर जवाब देते हुए कहा कि मुझे चुनाव आयोग की ओर से कोई नोटिस नहीं मिला है। हमें सिर्फ अनुमंडल पदाधिकारी के स्तर से

नोटिस मिला है, जिसका जवाब हम दे रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सवाल यह है कि आखिर दो ईपीआईसी नंबर किसने जारी किए? जिसने जारी

किए, वही अब हमसे सवाल कर रहा है। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाते हुए कहा कि गलती किसी और की है, फिर भी जवाब मुझसे मांगा जा रहा है।

तेजस्वी यादव ने एक सवाल के जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विदेश नीति और आर्थिक फैसलों को लेकर तीखा हमला किया।

उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ बढ़ा दिया है, लेकिन भारत सरकार की तरफ से इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक

प्रतिक्रिया नहीं आई है। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि देश को आर्थिक नुकसान हो रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप 28 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कभी भी इस पर जवाब नहीं दिया। अब यही लोग बिहार आकर कहेंगे कि हम 'विश्वगुरु' बन गए हैं। इससे आप समझ सकते हैं कि देश कैसे चल रहा है।

मुख्य सड़क और पुल निर्माण की मांग को लेकर महागठबंधन कार्यकर्ताओं का धरना

मुंगेर (एजेंसियां)।

मुंगेर के बरियारपुर प्रखंड की हरिणमार और झौवाबहियार ग्राम पंचायत को गोगडी से जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर बना पुल एक साल पहले बाढ़ में बह गया था, लेकिन आज तक उसका पुनर्निर्माण नहीं हो सका है। इसी को लेकर गुरुवार को महागठबंधन कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक के पास एक दिवसीय धरना दिया। इस धरने में दोनों पंचायतों के बड़ी संख्या में ग्रामीण भी शामिल हुए।

धरना स्थल पर युवा राजद के प्रदेश महासचिव सह मुंगेर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अविनाश कुमार विद्यार्थी उर्फ मुकेश यादव ने कहा कि गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण कई पंचायतों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। कुछ इलाकों में तो बाढ़ का पानी घरों तक पहुंच चुका है।



उन्होंने बताया कि हरिणमार और झौवाबहियार को जोड़ने वाला मुख्य पुल पिछले वर्ष बाढ़ में बह गया था।

इसके बाद जिला प्रशासन द्वारा अस्थायी डायवर्सन बनाया गया था, लेकिन हाल में आई बाढ़ के दबाव से वह भी बह गया, जिससे दोनों पंचायतों का संपर्क पूरी तरह कट गया है।

आवागमन बाधित होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का

सामना करना पड़ रहा है।

अविनाश विद्यार्थी ने बताया कि इस क्षेत्र की करीब 25 से 30 हजार की आबादी प्रभावित है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि दोनों पंचायतों के लोगों के लिए वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्था की जाए और मुंगेर जिला को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र घोषित किया जाए, ताकि प्रभावित लोगों को सरकारी सहायता मिल सके।

जेपी पथ-गंगा पथ निर्माण में बाधा बने अतिक्रमण पर कार्रवाई तेज

48 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

पटना (एजेंसियां)।

दीघा से कोइलवर तक प्रस्तावित जेपी गंगा पथ (मरीन ड्राइव) निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए प्रशासनिक कार्रवाई तेज कर दी गई है। जल संसाधन विभाग की भूमि पर बने सोन सुरक्षा बांध पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए 48 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

इनमें दीघा स्थित सादिकपुर का एक स्कूल, श्रीनगर के दो मंदिर और महिनावा का सूर्य मंदिर भी शामिल हैं। मनेर थाना में जल संसाधन विभाग की ओर से यह प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। थाना



अध्यक्ष प्रदीप कुमार ने इसकी पुष्टि की है।

बांध पर अवैध कब्जा करने वालों के विरुद्ध कार्यपालक अभियंता, सोन बाढ़ सुरक्षा प्रमंडल, खगोल के निर्देश पर कनीय अभियंता नवाब शारिब कौसर, आनंद रवि एवं संतोष कुमार सिंह ने अपने-अपने क्षेत्राधिकार में संबंधित अतिक्रमण के खिलाफ मनेर थाना में

प्राथमिकी दर्ज कराई है।

बिहार सरकार के ड्रिम प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किए जा रहे इस गंगा पथ निर्माण कार्य में बाधक बने अतिक्रमण को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जाएगा। एफआईआर की जानकारी फैलते ही अतिक्रमणकारियों के बीच हड़कंप मच गया है।

मनेर अंचलाधिकारी पूजा कुमारी ने बताया कि सोन सुरक्षा बाढ़ अवर प्रमंडल की शिकायत पर अतिक्रमण वाद संख्या 3/24-25 के तहत भी मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। अतिक्रमण की गई भूमि की मापी का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। छितनावा मौजा में मापी कार्य पूरा कर लिया गया है। अन्य अंचलों में भी कार्रवाई जारी है।

जातीय सूची में ब्राह्मण शब्द हटाने का विरोध भूमिहार ब्राह्मणों ने निकाली जनाक्रोश रैली

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार सरकार द्वारा जारी जातीय गणना सूची में 'भूमिहार ब्राह्मण' की जगह केवल 'भूमिहार' दर्ज किए जाने के विरोध में गुरुवार को मुजफ्फरपुर में विराट भूमिहार ब्राह्मण जनाक्रोश रैली निकाली गई। इसमें सैकड़ों की संख्या में समाज के लोग सड़कों पर उतरे और सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। रैली लंगट सिंह कॉलेज से शुरू होकर मोतीझील, कल्याणी, सरैयागंज टावर और कंपनीबाग होते हुए समाहरणालय पहुंची, जहां जिला पदाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा गया।

रैली के संयोजक डॉ. विजयेश



कुमार, जो बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रदेश महासचिव हैं, ने कहा कि यह आंदोलन भूमिहार ब्राह्मण समाज की अस्मिता और पहचान को बचाने के लिए है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भले ही उनकी पार्टी ब्राह्मणवाद का विरोध

करती रही है, लेकिन जातीय पहचान से संबंधित किसी भी अन्याय को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वहीं जन सुराज से जुड़े नेता रानू शंकर ने कहा कि रैली का उद्देश्य सिर्फ जातीय सूची में 'भूमिहार

सरकार ने इस मुद्दे पर जल्द संज्ञान नहीं लिया, तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा और जरूरत पड़ी तो पटना तक पदयात्रा भी की जाएगी।

रैली में विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के अलावा बहुजन समाज पार्टी और जन सुराज के कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

कई स्थानों पर नीतीश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई और जातीय सूची में संशोधन की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि यदि सरकार ने मांगें नहीं मानीं तो आंदोलन को सड़क से लेकर सदन तक व्यापक रूप दिया जाएगा।

गंगा और सोन नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि, दियारा के कई गांवों में बाढ़, सड़कें डूबीं

पटना (एजेंसियां)।

गंगा और सोन नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि के बाद पटना जिले के दियारा क्षेत्र के कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। दानापुर, मनेर, बख्तियारपुर, दनियावां, फतुहा, खुशरूपुर, मोकामा, बाढ़, पटना सिटी, दीघा और राजधानी पटना के निचले इलाकों में पानी फैलने से जनजीवन प्रभावित हो गया है। दनियावां के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 30ए का एक हिस्सा जलमग्न हो गया है।

केन्द्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, पटना में गंगा नदी का जलस्तर 51.10 मीटर तक पहुंच गया है, जो खतरे के निशान से ऊपर है। वहीं, मनेर में सोन नदी 52.99 मीटर पर बह रही है। मनेर



के निचले और दियारा इलाकों के दर्जनभर गांवों की सड़कें पानी में डूब चुकी हैं, जबकि डेढ़ दर्जन से अधिक गांवों में बाढ़ का पानी घरों तक पहुंच गया है।

जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि से दियारा के लोग भयभीत हैं। कई परिवार सुरक्षित स्थानों की तलाश में मनेर शहर की ओर पलायन कर रहे हैं। सड़कें और

घर जलमग्न हो चुके हैं, जिससे लोगों के समक्ष भोजन और मवेशियों के लिए चारे की भी समस्या उत्पन्न हो गई है।

मनेर के हल्दी छपरा में दो ट्रांसफॉर्मर जल जाने से कई टोलों में अंधेरा छा गया है। बुधवार की रात बाढ़ के पानी में कई बिजली के पोल गिर जाने के कारण बिजली आपूर्ति पूरी तरह से

बाधित हो गई है। मोबाइल चार्ज नहीं होने के कारण लोग अपने सगे-संबंधियों से संपर्क भी नहीं कर पा रहे हैं।

पश्चिमी दियारा के कई गांवों की जीवन रेखा माने जाने वाली तिवारी टोला पुल भी बाढ़ के पानी में डूब गया है।

इसके चलते रामपुर दियारा, भवानी टोला, हुलासी टोला, प्रेम टोला और इसलामांग के लोग जैसे-तैसे नाव या पानी के बीच से मनेर आने-जाने को मजबूर हैं। रतन टोला, हल्दी छपरा, दुधेला, हाथी टोला, महावीर टोला, छिहत्तर, सात अना, पुरनका टोला, नयका टोला, धुनव टोला, मुंजी टोला समेत दर्जनों गांवों के लोगों ने प्रशासन से नाव सेवा की मांग की है,

ताकि वे सुरक्षित स्थानों तक पहुंच सकें।

बाढ़ की सूचना मिलते ही मनेर के विधायक भाई वीरेंद्र प्रभावित गांवों का दौरा किया। उन्होंने हाथी टोला, हल्दी छपरा, दुधेला, मुंजी टोला समेत एक दर्जन से अधिक गांवों का निरीक्षण किया। विधायक ने बाढ़ पीड़ितों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और तुरंत दानापुर एसडीओ, मनेर बीडीओ और सीओ से बात कर मवेशियों के लिए चारा, नाव की व्यवस्था और अन्य राहत सामग्री की मांग की।

मौके पर मुखिया अशोक सिंह, लाल केशिशोर सिंह और समाजसेवी भृगु यादव सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद रहे।

गया जी में 6 घंटे के ऑपरेशन के बाद अपहृत युवक की रिहाई

फिरौती मांगने वाले 9

आरोपियों पर मामला दर्ज

गया जी (एजेंसियां)।

गया जी जिले में 8 लाख रुपये की फिरौती के लिए अगवा किए गए एक युवक की सकुशल रिहाई के लिए पुलिस द्वारा चलाया गया 6 घंटे का ऑपरेशन सफल रहा। ऑपरेशन में चार थाणों की पुलिस और कई अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस कार्रवाई के बाद 9 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। घटना की जानकारी गुरुवार को गया के सीनियर एसपी ने दी।

गया के कोठी थाना क्षेत्र स्थित बंदिशा मोड़ के पास बुधवार देर शाम 35 वर्षीय युवरा खान उर्फ तब्बू खान का अपहरण कर लिया गया था। अपहरणकर्ताओं ने



परिजनों से 8 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी।

घटना की जानकारी मिलते ही इमामगंज डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर छानबीन शुरू की गई। मोबाइल ट्रैकिंग के जरिए पता चला कि अपहृत युवक को छकरबंधा और सेवरा के जंगलों में रखा गया है। इसके बाद पुलिस ने इलाके में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया। लगातार 6 घंटे तक चले इस अभियान के दौरान पुलिस ने

युवक तब्बू खान को सकुशल बरामद कर लिया। इस दौरान अपहृत युवक ने पुलिस को बताया कि अपहरणकर्ताओं ने उसके साथ मारपीट भी की थी।

सीनियर एसपी ने बताया कि इस मामले में 9 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें से कुछ की पहचान हो चुकी है, जबकि बाकी की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लखीसराय डबल मर्डर केस में बड़ी कार्रवाई मुख्य लाइनर उमाशंकर उर्फ पेट्रोल गिरफ्तार

लखीसराय (एजेंसियां)।

लखीसराय जिले के वलीपुर गांव में 17 जून को हुए दोहरे हत्याकांड मामले में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। विशेष अनुसंधान टीम ने इस कांड में शामिल कुख्यात अपराधी उमाशंकर उर्फ मुकेश सिंह उर्फ पेट्रोल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, उमाशंकर इस मामले में मुख्य लाइनर की भूमिका में था और घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मामला पिपरिया थाना क्षेत्र में एफआईआर संख्या 60/25 के तहत दर्ज है। 17 जून को वलीपुर पंचायत के मुखिया चंदन सिंह उर्फ डीमू और एक अन्य व्यक्ति चंदन कुमार की संरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद से इलाके में तनाव का माहौल था और पुलिस प्रशासन पर शीघ्र कार्रवाई का दबाव बना हुआ था। एसपी ने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर पहले ही मुख्य शूटर समेत तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

बिहार सरकार ने छह आईपीएस अधिकारियों के साथ-साथ 26 डीएसपी का किया तबादला

पटना (एजेंसियां)।

बिहार विधान सभा चुनाव से पहले बिहार सरकार ने फिर छह आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। इसके साथ ही 26 डीएसपी का भी स्थानांतरण हुआ है। गृह विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। स्थानांतरण होने वाले अधिकारियों में 2021 बैच के मोहम्मद मोहिबुल्लाह अंसारी, 2022 बैच की अंधेरा छा गया है। बुधवार की रात बाढ़ के पानी में कई बिजली के पोल गिर जाने के कारण बिजली आपूर्ति पूरी तरह से

मोहिबुल्लाह अंसारी को अब

पटना विधि व्यवस्था पटना में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। वह अब तक पटना में नगर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के रूप में पदस्थापित थे। शैलजा को नालंदा हिलसा की जिम्मेदारी मिली है। यह अब तक वैशाली की सहायक पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी संभाल रही थी। संकेत कुमार को बिक्रमगंज रोहतास भेजा गया है। यह अब तक सारण में सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य कर रही थी। गरिमा को सरैया मुजफ्फरपुर की जिम्मेदारी मिली



है। यह अब तक मुजफ्फरपुर में सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य कर रही थी। साक्षी कुमारी को बलिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी की जिम्मेदारी मिली है, जो अब तक सहायक

पुलिस अधीक्षक बेगूसराय में पदस्थापित थी। कमल मीणा को पटना मसौदी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के रूप में पदस्थापित किया गया है। यह अब तक दरभंगा में सहायक पुलिस

अधीक्षक के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाल रही थी।

रोहतास जिला के सहरियार अख्तर (2010) अब राजगीर बिहार पुलिस अकादमी में अपर पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी संभालेंगे। गोपालगंज निवासी सुनीता कुमारी (2010) अब सीतामढ़ी पुपरी में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी की जिम्मेदारी संभालेंगी। नालंदा के रहने वाले पोलस्त कुमार अब बक्सर जिले के डुमरांव में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी की जिम्मेदारी संभालेंगे। भभुआ जिला के

प्रेमचंद सिंह अब बि.वि.स.पु.-16 में अपर पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी संभालेंगे। पटना जिला के सुमित कुमार को राजगीर बिहार पुलिस अकादमी में वरीय पुलिस उपाधीक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। नवादा जिले के राजेश कुमार अब झांझा जमुई अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी की जिम्मेदारी संभालेंगे और पटना के ज्योति शंकर अब पूर्णिया सदर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी होंगे। अब तक वह नालंदा जिले में साइबर क्राइम में पुलिस विभाग उपाधीक्षक के पद पर कार्यरत थे।